राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार, 24 फ़रवरी–2022 वर्ष–4,अंक–392 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक बड़ा आधार हमारी महिला शक्ति : पीएम

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर घर जल योजना के तहत पानी और स्वच्छता तथा केंद्रीय बजट 2022-23 के सकारात्मक प्रभाव पर संवाद किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि बजट के बाद, बजट घोषणाओं को लागू करने की दिशा में आज आप सभी स्टेकहोल्डर्स से संवाद अपने आप में बहुत अहम है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास, हमारी सरकार की पॉलिसी और एक्शन का मूलभूत प्रेरणा सूत्र है। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 7 वर्षों में, हमने देश की क्षमता में सुधार करने और पानी, बिजली, गैस कनेक्शन, शौचालय और सड़कों जैसी बुनियादी सुविधाओं को पूरे भारत में मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। अब समय आ गया है कि इन योजनाओं को देश के 100 प्रतिशत हिस्से को कवर करना चाहिए।

मोदी ने कहा कि बजट में सरकार द्वारा, सैचुरेशन के इस बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक स्पष्ट रोडमैप दिया गया है। बजट में पीएम आवास योजना, ग्रामीण सड़क योजना, जल जीवन मिशन, नॉर्थ ईस्ट की कनेक्टिविटी, गांवों की ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी, ऐसी हर योजना के लिए जरूरी प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि गांवों की डिजिटल कनेक्टिविटी अब एक आकांक्षा भर नहीं है, बल्कि आज की ज़रूरत है। ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी से गांवों में सुविधाएं ही नहीं मिलेंगी, बल्कि ये गांवों में स्किल्ड युवाओं का एक बड़ा पूल तैयार करने में भी मदद करेगा। पीएम मोदी ने जोर देकर कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक बड़ा आधार हमारी महिला शक्ति है। वित्तीय समावेशन ने परिवारों में महिलाओं के आर्थिक फ़ैसलों में अधिक भागीदारी सुनिश्चित की है। स्वयं सहायता समूह के जरिए महिलाओं की भागीदारी को और विस्तार देने की जरूरत है।

प्रधानमंत्री ने कहा केंद्रीय बजट में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम हमारे सीमावर्ती क्षेत्रों के गांवों के लिए महत्वपूर्ण है। पीएम ने दावा किया कि अलग अलग योजनाओं में 100 प्रतिशत लक्ष्य पाने के लिए हमें नई टेक्नोलॉजी पर भी फोकस करना होगा। ताकि प्रोजेक्ट्स भी तेजी से पूरे हों और क्वालिटी से भी समझौता नहीं हो। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत लगभग 4 करोड़ कनेक्शन देने का टारगेट हमारी सरकार ने रखा है।टारगेट को हासिल करने के लिए आपको अपनी मेहनत और बढ़ानी होगी। मेरा हर राज्य सरकार से ये भी आग्रह है कि जो पाइपलाइन बिछ रही हैं, जो पानी आ रहा है, उसकी क्वालिटी पर भी हमें बहुत ध्यान देने की जरूरत है।

अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि गांव में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी से सर्विस सेक्टर का

विस्तार जब होगा, तो देश का सामर्थ्य और ज्यादा बढ़ेगा। ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी में अगर कहीं दिक्कतें आ रही हैं,तब उनकी पहचान और समाधान हमें ढूंढ़ना ही होगा। उन्होंने कहा कि भारत के ज्यादातर राज्यों में आउटपुट से ज्यादा आउटकम पर बल देने की आवश्यकता है। आज गांव में काफी मात्रा में धन जाता है, उन पैसों का सही समय पर अगर उपयोग हो,तब गांवों की स्थिति बदल सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

पूर्वांचल को साधने में जुटे महारथी, पीएम मोदी और शाह ने संभाली भाजपा की कमान

वाराणसी । उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 में छठे और सातवें चरण के चुनाव प्रचार अभियान को धार देने के लिए सभी प्रमुख पार्टियों की तैयारियां जोरों पर है। चुनावी रण में विजय के लिए हर दल के महारथियों का प्रवेश होने जा रहा है। गृह मंत्री अमित शाह दो दिवसीय काशी दौरे पर काशी क्षेत्र के सभी बड़े पदाधिकारी के साथ बैठक कर के संगठन के नट बोल्ट कस गए,तब पीएम नरेंद्र मोदी 27 फरवरी से पूर्वांचल में अभियान की शुरुआत अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी से करने वाले है। सपा अध्यक्ष अखिलेश और ममता बनर्जी की जनसभा तीन मार्च को वाराणसी में होगी। तीन मार्च को ही बसपा सुप्रीमो मायावती जनसभा के जरिए अपने प्रत्याशियों और समर्थकों का उत्साह बढ़ाएंगी। वाराणसी में 27 फरवरी को काशी के सांसद और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बीजेपी बूथ कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित करने वाले है। यह सम्मेलन संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के मैदान में होगा। सम्मेलन के बाद पीएम मोदी बस्ती में जनसभा को संबोधित करने चल जाएंगें। बीजेपी के पदाधिकारियों के अनुसार हर बूथ से 5-5 बूथ कार्यकर्ताओं को आमंत्रित किया जाएगा। बूथ अध्यक्ष के अलावा दो-दो बूथ कार्यकर्ता और बीएलए (बूथ लेवल एसोसिएट) शामिल होगा।

हिमाचल का बजट सत्र शुरू, कुल 16 बैठकें होंगी

शिमला । प्रदेश के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर के अभिभाषण से हिमाचल प्रदेश विधानसभा बजट सत्र आज सुबह 11 बजे शुरू हो गया, इसके हंगामेदार होने के आसार हैं। 15 मार्च तक चलने वाले बजट सत्र में कुल 16 बैठकें होंगी। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर 4 मार्च को विधानसभा में राज्य का वर्ष 2022-23 का आम बजट पेश करेंगे। बजट सत्र को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। सत्र की तैयारियों के सिलसिले में यहां सत्तारूढ भाजपा व विपक्षी दल कांग्रेस के विधायक दल की बैठकें हो चुकी हैं। जिसमें अपने अपने दलों की रणनीति तय की गई। वहीं प्रदेश विधानसभा के स्पीकर विपिन परमार व डीजीपी संजय कुंडू ने राजभवन जाकर राज्यपाल को सत्र की जानकारी दी है। 15 दिन चलने वाले सत्र में इस बार महंगाई, बेरोजगारी, न्यू पेंशन स्कीम जैसे मामले गूंजेंगे। सत्तारूढ दल भाजपा व प्रदेश के सीएम जय राम ठाकुर के कार्यकाल का यह अंतिम बजट सत्र है। चूंकि इस साल ही प्रदेश विधानसभा के चुनाव होने जा रहे हैं। लिहाजा यह बजट सत्र खासा अहम है। प्रदेश में 13वीं विधानसभा का 14वां सत्र है, सीएम जयराम ठाकुर 4 मार्च को अपने कार्यकाल का पांचवां बजट पेश करेंगे। विधानसभा अध्यक्ष ने सत्ता पक्ष व विपक्ष की बैठक बुलाई। इसमें स्पीकर विपिन सिंह परमार ने संसदीय कार्य मंत्री सुरेश भारद्वाज, नेता प्रतिपक्ष मुकेश अग्निहोत्री और माकपा विधायक राकेश सिंघा से सदन की कार्यवाही के संचालन में सहयोग की अपील की है। यह बजट सत्र 15 मार्च तक चलेगा। इसमें कुल 16 बैठकें होंगी। यानी 15 दिन सवाल-जवाब होंगे। विधानसभा अध्यक्ष परमार ने कहा कि इस बजट सत्र की पूरी तैयारी की गई है। उन्होंने कहा कि बजट सत्र में 16 बैठकें हो रही हैं तो आगामी मानसून सत्र में करीब 10 बैठकें हो सकती है। शीत सत्र तक 35 बैठकों को पूरा करने का प्रयास होगा। स्पीकर विपिन सिंह परमार ने कहा कि कोरोना के मामले बेशक घटते जा रहे हैं।

यूपी चुनाव में भाजपा ने सुरक्षा और मुफ्त राशन को बनाया मुद्दा

प्रयागराज। यूपी में विधानसभा चुनाव के आगे बढ़ने के साथ मतदाताओं के बीच कुछ चीजों को लेकर चर्चा आम है, जैसे सुरक्षा, सकुन और मुफ्त राशन। वहीं सत्तारूढ़ दल के नेताओं को बेरोजगारी और गुंडों के खिलाफ कार्रवाई में भेदभाव करने के आरोपों का भी सामना करना पड़ रहा है। शहर पश्चिम में ई रिक्शा चलाने वाले 50 वर्षीय अनिल सोनकर का कहना है कि उसने सोचा था कि उसके बेटे को उससे बेहतर काम मिलेगा, भले ही वह स्नातक है, लेकिन अच्छी नौकरी मिलना मुश्किल है। हालांकि उसने गैंगस्टर अतीक अहमद के गिराए गए कार्यालय की ओर इशारा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चीजें सुरक्षित की हैं और अब मैं गुंडों का सामना किए बिना रिक्शा चला सकता हूं। सोनकर ने कहा कि पिछले तीन दशक में पहली बार ना ही अतीक अहमद और ना उसके परिवार का कोई सदस्य इस बार चुनाव लड़ रहा है। शहर उत्तर में सड़क किनारे कपड़े बेचने वाले विनोद कुमार केसरवानी की सोच भी कुछ इसी तरह की है। पिछले कुछ समय से काम मंदा चलने के बावजूद उसका राजनीतिक जुड़ाव प्रभावित नहीं हुआ है। उसका कहना है,क्या समाजवादी पार्टी अर्थव्यवस्था को सुधारेगी। अब सुकून है, भाजपा को और एक मौका मिलना चाहिए। एक चाय की दुकान पर बैठे रमेश कनौजिया कहते हैं, मुफ्त राशन जल्द ही बंद हो जाएगा। हम अपना खाना पाने के लिए कमाना चाहते हैं। अखिलेश यादव पर भी विचार किया जाना चाहिए। वहीं एक स्थानीय व्यक्ति ने कहा, सरकार को सभी अपराधियों को एक समान नज़र से देखना चाहिए। इस सरकार ने ऐसा नहीं किया। दूसरी ओर, अपने अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी बेरोजगारी, ग्रामीण क्षेत्रों में आवारा पशु की समस्या जैसे मुद्दों को लेकर भाजपा के खिलाफ हवा बनाने में लगी है ।

भाजपा को रोकने के लिए चुनाव बाद सपा के साथ गठबंधन कर सकती है कांग्रेस : खुर्शीद

नई दिल्ली ।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी का समाजवादी पार्टी (एसपी) के साथ विचारधारा के स्तर पर मेल नहीं है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को सत्ता से बाहर रखने के लिए कांग्रेस सपा के साथ गठबंधन कर सकती है। सलमान खुर्शीद ने यह बात ऐसे समय पर कही है जब कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी चुनाव बाद सपा के साथ गठबंधन को लेकर संकेत दे चुकी हैं। खुर्शीद ने कहा सपा के साथ हमारे रिश्ते बहुत अच्छे नहीं हैं, क्योंकि गहरे वैचारिक मतभेद हैं, लेकिन बड़े फ्रेमवर्क के तहत हम बीजेपी को सत्ता से बाहर रखने को प्राथमिकता देंगे क्योंकि वे बेहद भयानक रहे हैं। उत्तर प्रदेश में चौथे चरण के मतदान के बीच खुर्शीद के बयान से संकेत मिलता है कि कांग्रेस त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति में राज्य में चुनाव के बाद गठबंधन को तैयार है। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के प्रचार पर खुर्शीद ने कहा हम राज्य में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए जोरदार तरीके से चुनाव लड़ रहे हैं। हालांकि, हमें यूपी में वाड्रा की ओर से बनाई गई नई रणनीतियों के प्रभाव को देखने के लिए इंतजार करने की जरूरत है। आज नहीं तो कल उत्तर प्रदेश का राजनीतिक चेहरा बदलने जा रहा है। बुधवार को चौथे चरण के मतदान के बाद यूपी में राज्य की करीब 58 फीसदी सीटों पर चुनाव संपन्न हो जाएंगे। भाजपा और सपा दोनों ने राज्य में सरकार बनाने का भरोसा जताया है। प्रियंका गांधी ने प्रचार अभियान के दौरान कहा है कि कांग्रेस की पिच उन मुद्दों पर है जो लोगों के लिए तत्काल चिंता का विषय हैं। वह चुनाव बाद सपा के साथ जाने का भी संकेत दे चुकी हैं। आप आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने भी ऐसे ही संकेत दिए हैं।

2 से 6 साल के बच्चों के लिए भी जल्द उपलब्ध होगी वैक्सीन

नई दिल्ली । 12 साल की उम्र से ऊपर के बच्चे को ही कोरोना की वैक्सीन लगाई जा रही है, लेकिन अब 2 से 6 साल की उम्र के बच्चों को भी कोरोना का टीका कोवोवैक्स का टीका उपलब्ध हो जाएगा। कोवोवैक्स का टीका लगाने का ट्रायल शुरू हो गया है। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा विकसित कोवोवैक्स को ट्रायल के दौरान 2 से 6 साल की उम्र के 230 बच्चों को कोवोवैक्स की पहली खुराक दी गई। इन बच्चों को कोवोवैक्स की दूसरी खुराक 21 दिनों बाद दी जाएगी। मई तक कोवोवैक्स का ट्रायल पूरा हो जाएगा। इसके बाद 2 साल से ऊपर के बच्चे को कोवोवैक्स वैक्सीन दी जाएगी। देश के अलग-अलग हिस्सों में 10 अस्पतालों में ट्रायल के दौरान इन बच्चों को कोवोवैक्स वैक्सीन लगाई गई। कोवोवैक्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, देश के 10 अस्पतालों में सबसे कम उम्र के 230 बच्चों को ट्रायल के दौरान यह वैक्सीन दी गई।

आईटीबीपी जवान 2000 फीट ऊंची माउंट करज़ोक कांगड़ी की चोटी पर चढ़े

लेह लद्दाख । भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की केंद्रीय पर्वतारोहण टीम ने मुश्किल मौसम की परिस्थितियों में हाल ही में माउंट करज़ोक कांगड़ी पर आरोहण किया है। बल के पर्वतारोहियों ने यह कारनामा लद्दाख में कर दिखाया है, जहां इन दिनों न्यूनतम तापमान शून्य से 40 डिग्री सेल्सियस नीचे है। इस पर्वत पर पहली बार आरोहण किया गया है। आईटीबीपी प्रवक्ता विवेक पांडेय ने बताया कि चरम सर्दियों में शारीरिक और मानसिक दृढ़ता का प्रदर्शन करते हुए आइटीबीपी के 6 शीर्ष पर्वतारोहियों की टीम ने बल के एक शीर्ष पर्वतारोही कमांडेंट रतन सिंह सोनाल के नेतृत्व में लद्दाख के सर्द बर्फीले रेगिस्तान में स्थित 20,177 फीट ऊंची माउंट करज़ोक कांगड़ी की चोटी पर सफल आरोहण किया। डिप्टी कमांडेंट अनूप नेगी इस दल के डिप्टी लीडर थे। ज्ञात हो कि इस टीम ने किसी प्रकार के विशेष पर्वतारोहण उपकरण और समर्थन प्रणाली का उपयोग नहीं किया और उच्च स्तर की शारीरिक सहनशक्ति और समूह के आपसी समन्वय के साथ यह मुश्किल चढ़ाई पूरी की। 1962 में गे ठित आईटीबीपी भारत-चीन सीमा की रक्षा हेतु तैनात है।

सपा को वोट देना मतलब गुंडा राज को समर्थन देना-मायावती

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो और यूपी की पूर्व सीएम मायावती ने बुधवार को विश्वास व्यक्त किया कि मुस्लिम और दलित दोनों उनकी पार्टी को वोट देंगे और वे पूर्ण बहुमत के साथ राज्य में सरकार बनाएंगे। मायावती, जिन्होंने लखनऊ में वोट डालने के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि, मुस्लिम समाज पहले से ही समाजवादी पार्टी से नाराज है। यह उन्हें वोट क्यों देगा? यूपी के निवासियों ने मतदान से पहले ही सपा को खारिज कर दिया है क्योंकि सपा को वोट देने का मतलब गुंडा राज और माफिया राज है। हम पहले भी हम पहले भी सपा शासन के दौरान दंगे देख चुके हैं। समाजवादी पार्टी के नेताओं के चेहरे बता रहे हैं कि वे सत्ता में नहीं आ रहे हैं। मायावती ने कहा कि अल्पसंख्यक लोग सपा की कार्यशैली से बहुत दुखी है। सपा जो सरकार बनाने का सपना देख रही है इनका सपना चकनाचूर हो जाएगा। जब-जब समाजवादी पार्टी सत्ता में रही है, उस दौरान सबसे ज्यादा उत्पीड़न दलितों और पिछड़ों का हुआ हैं। बसपा को अकेले सभी वर्गों का वोट मिल रहा है। भाजपा, सपा जीत का दावा कर रहे हैं, कहीं ऐसा ना हो कि उनके दावे धरे के धरे रह जाए। जब नतीजे आएंगे तो बसपा को 2007 की तरह पूर्ण बहुमत मिलेगा।

राष्ट्रपति पद के लिए स्वयं की उम्मीदवारी की चर्चा पर नीतीश चकित

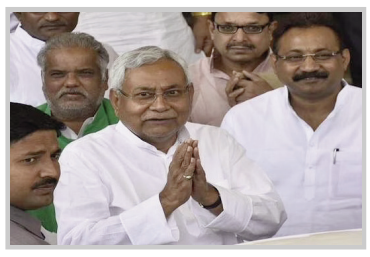

पटना।

बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने राष्ट्रपति पद के लिए उनकी उम्मीदवारी को लेकर छिड़ी सियासी चर्चा पर आश्चर्य जताया। भागलपुर में समाज सुधार अभियान के कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे सीएम कुमार से विपक्षी दलों की ओर से राष्ट्रपति पद के लिए उनकी उम्मीदवारी की चर्चा को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने हाथ जोड़कर अनभिज्ञता जाहिए करते हुए कहा कि ऐसा उनके दिमाग में कोई विचार नहीं है और ना ही उनकी कोई कल्पना है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता नवाब मलिक ने कहा है कि अगर कुमार भाजपा के साथ संबंध तोड़ लेते हैं तो शरद पवार के नेतृत्व वाली पार्टीदेश के सर्वोच्च संवैधानिक पद के लिए जदयू नेता का समर्थन करने के लिए तैयार है। बिहार में कुमार की सहयोगी पार्टी भाजपा लोकसभा में प्रचंड बहुमत के साथ केंद्र की सत्ता में है। उसकी ओर से अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है लेकिन उसे राष्ट्रपति पद पर अपनी पसंद के उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने के लिए अन्य दलों के समर्थन पर बहुत अधिक निर्भर रहना पड़ सकता है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का कार्यकाल जुलाई में समाप्त हो रहा है। निर्वाचक मंडल में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं के अलावा संसद के दोनों सदनों के सदस्य शामिल होते हैं। देश में शीर्ष पद के लिए कुमार के नाम पर उनके कट्टर प्रतिद्वंद्वी लालू प्रसाद की पार्टी राजद की ओर से मिली-जुली प्रतिक्रियाएं आयी हैं। लालू के बड़े पुत्र तेजप्रताप यादव ने सवाल किया कि हत्या के आरोपी को शीर्ष पद पर कैसे चुना जा सकता है? तेजप्रताप करीब तीन दशक पुराने एक मामले का जिक्र कर रहे थे जिसमें कुमार को उच्चतम न्यायालय ने बरी कर दिया है। राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने हालांकि यह जरूर कहा कि एक बिहारी के रूप में उन्हें गर्व होगा यदि राज्य का कोई नेता राष्ट्रपति बनता है पर साथ में यह भी आरोप लगाया कि कुमार भाजपा के संबंध विच्छेद करने के बाद फिर उससे हाथ मिलाने की वजह से अपनी विश्वसनीयता खो चुके हैं। राजद प्रवक्ता शक्ति यादव ने राष्ट्रपति पद के पिछले दो चुनावों में कुमार के रुख को याद किया जब उन्होंने राजग के साथ होने के बावजूद प्रणब मुखर्जी का समर्थन किया था और महागठबंधन जिसमें राजद और कांग्रेस शामिल थे, का हिस्सा होने के बावजूद कोविंद का समर्थन किया था जो भाजपा के उम्मीदवार थे। मीडिया के एक वर्ग द्वारा यह बताया जा रहा है कि चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के तौर पर विपक्षी दलों के बीच कुमार के पक्ष में राय बनाने में भूमिका निभा रहे हैं। वहीं जदयू नेता और राज्य के मंत्री श्रवण कुमार ने जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री शीर्ष पद के योग्य हैं। वह कुमार के विश्वासपात्र माने जाते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने कुमार की प्रशंसा करते हुए कहा, वह सर्वोच्च पदों के लिए उपयुक्त हैं। जहां तक मेरा सवाल है,।

जब मुख्यमंत्री का पद मेरे हाथ में आया तो मैं चुनौती स्वीकार करने से नहीं हिचकिचाया। कुमार के घोर विरोधी रहे लोजपा नेता चिराग पासवान ने कटाक्ष करते कहा, नई कुर्सी की सुगबुगाहट को खारिज नहीं किये सुशासन बाबू। विपक्ष का चेहरा बनने की दिली ख्वाहिश पूरी हो रही है। अपने लिए एक के बाद एक पद का इंतजाम करने को आदत बना चुके हैं नीतीश जी। कर बिहार के युवाओं की दुर्गति, नीतीश जी बनने चले राष्ट्रपति।

संयम का परिचय देते हुए यूक्रेन संकट के समाधान के प्रयास जरूरी : तिरुमूर्ति

नई दिल्ली ।

भारत ने रूस-यूक्रेन सीमा पर बढ़ते तनाव को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कहा कि इस तनाव को कम करना तात्कालिक प्राथमिकता होनी चाहिए और सभी पक्ष अत्यंत संयम का परिचय देते हुए इस संकट के समाधान का प्रयास करें। भारत ने कहा मौजूदा संकट को राजनयिक बातचीत से ही सुलझाया जा सकता है। संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत के स्थाई प्रतिनिधि एवं राजदूत टी एस तिरुमूर्ति ने सुरक्षा परिषद की आपात बैठक में कहा कि हम यूक्रेन की पूर्वी सीमा पर हो रही गतिविधियों और रूसी संघ द्वारा इस संबंध में की गई घोषणा सहित पूरे घटनाक्रम पर नजर रखे हुए हैं। रूस-यूक्रेन सीमा पर बढ़ते तनाव को लेकर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, हम एक सैन्य तनाव का जोखिम नहीं उठा सकते। तिरुमूर्ति ने कहा कि इन घटनाओं से क्षेत्र की शांति और सुरक्षा कमजोर हो सकती है। उन्होंने कहा नागरिकों की सुरक्षा आवश्यक है और यूक्रेन के सीमावर्ती क्षेत्रों सहित विभिन्न हिस्सों में 20,000 से अधिक भारतीय छात्र और नागरिक हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय नागरिकों की भलाई उनके लिए प्राथमिकता है। यूक्रेन में भारतीय दूतावास ने भी मंगलवार को भारतीय छात्रों से अस्थाई रूप से देश छोड़ देने की फिर से अपील की। इस बीच, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रूस और यूक्रेन के मध्य उपजे विवाद का बातचीत से समाधान करने पर जोर देते हुए कहा कि भारत इस मामले में शांति का पक्षधर है। सिंह ने उत्तर प्रदेश में बलिया जिले के बंशी बाजार में एक चुनावी सभा से इतर संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि रूस और यूक्रेन के मध्य उपजे विवाद का बातचीत के आधार पर समाधान निकाला जाना चाहिए।

बाड़मेर में 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंचा पारा, उत्तर-पश्चिम भारत में वर्षा व बर्फबारी के आसार

नई दिल्ली । तेज ठंड और बारिश के बीच भारत के कई हिस्सों में गर्मी का असर भी दिखाई देने लगा है। राजस्थान के बाड़मेर में अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा दर्ज किया गया। इसके अलावा पूर्वोत्तर के राज्यों में भी मंगलवार को हल्की बारिश हुई। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने जानकारी दी है कि उत्तर-पश्चिम भारत में अगले पांच दिनों के दौरान बारिश होगी। वहीं, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी के आसार हैं। आईएमडी की तरफ से मंगलवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार, जम्मू-कश्मीर-गिलगिट-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में अगले दो दिनों में हल्की या मध्यम बारिश/बर्फबारी होने के आसार हैं। इसके बाद इन स्थानों पर तीन दिनों के लिए छिटपुट बारिश या बर्फबारी की संभावनाएं है। विभाग ने बताया कि उत्तरी पंजाब, उत्तरी हरियाणा और चंडीगढ़ में अगले 5 दिनों के दौरान हल्की बारिश की काफी संभावनाएं हैं। मौसम विभाग के अनुसार, 24 और 26 फरवरी के दौरान बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल और सिक्किम में छिटपुट हल्की या मध्यम बारिश, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में छिटपुट से व्यापक बारिश के आसार हैं। भाषा पर 22 फ़रवरी को प्रकाशित खबर के अनुसार, गर्मी ने राजस्थान में अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं जहां बाड़मेर जिले में दिन का तापमान 36 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। जयपुर स्थित मौसम केंद्र के अनुसार बीते 24 घंटे में दिन का अधिकतम तापमान बाड़मेर में 36.9 डिग्री सेल्सियस, जैसलमेर में 35.8 डिग्री, जालौर में 35.1 डिग्री, डूंगरपुर में 34.6 डिग्री, सिरोही में 34.2 डिग्री व जोधपुर में 34 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

सौंदर्य तो अस्थाई है लेकिन मन आपका जीवन भर साथ देता है - एलिशिया मेकेडो

संपादकीय

पूर्वी यूरोप में तनाव

युद्ध भले ही अभी शुरू नहीं हुआ, लेकिन रूस और यूक्रेन की सीमाओं पर तनाव उस चरम पर पहुंच चुका है कि कभी भी जंग छिड़ने की खबर आ सकती है। भले ही संयुक्त राष्ट्र और उसके बाहर इस जंग को टालने की कोशिशें लगातार जारी हैं, लेकिन यूरोप के उस पूर्वी कोने में युद्ध की आशंका को दुनिया ने एक सच की तरह स्वीकार कर लिया है। यह मान लिया गया है कि रूस किसी भी समय यूक्रेन पर हमला कर सकता है। छिटपुट झड़पें तो शुरू भी हो गई हैं। भारत समेत दुनिया के तमाम देशों ने अपने-अपने नागरिकों को यूक्रेन से निकालने का काम शुरू कर दिया है। फ्रांस और जर्मनी जैसे देश अब भी बीच-बचाव की कोशिशों में लगे हैं, लेकिन अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देश रूस को गंभीर नतीजे भुगतने की चेतावनी दे रहे हैं। अमेरिका ने तो रूस पर पाबंदियों की घोषणा भी शुरू कर दी है। ये लगभग वही स्थितियां हैं, जो आठ साल पहले इस इलाके में बनी थीं। तब रूस ने यूक्रेन के प्रायद्वीप क्रीमिया पर हमला बोला था और उसे अपना हिस्सा बना लिया था। इसे दूसरे विश्व युद्ध के बाद किसी जमीन पर किया गया सबसे बड़ा कब्जा कहा जाता है। इस बार रूस वैसा ही कुछ यूक्रेन के दो इलाकों में करने जा रहा है। रूसी आबादी वाले इन इलाकों पर रूस समर्थक विद्रोहियों ने काफी समय से कब्जा किया हुआ है। वहां रूसी मुद्रा चलती है, वहां के लोगों के लिए रूसी पासपोर्ट जारी होते हैं। वहां के लोगों को रूस की कोविड वैक्सीन स्पूतनिक-वी भी लगाई गई है, जबकि यूक्रेन ने इस वैक्सीन का बहिष्कार कर रखा है। यानी, ये दोनों इलाके पूरी तरह से रूस के प्रभाव में ही हैं, लेकिन अब रूस ने इन इलाकों को बाकायदा मान्यता दे दी है और उसकी फौजें पूरी दुनिया के तमाम विरोध के बावजूद उस तरफ चल पड़ी हैं। रूस और यूक्रेन के इस वैमनस्य की जड़ें दोनों देशों के इतिहास में भी हैं और उस मनोविज्ञान में भी, जिसे एक लंबे अतीत के अंतर्विरोधों ने पाल-पोसकर बड़ा किया है। जब सोवियत संघ था, तब रूस और यूक्रेन एक ही राजनीतिक इकाई के हिस्से थे। सोवियत संघ के विखंडन के बाद अलग हुआ यूक्रेन अब रूस की दादागिरी से मुक्त होने के लिए अक्सर छटपटाता दिखता है। जिस तरह से उसे क्रीमिया से हाथ धोना पड़ा, उसके बाद वह एक ऐसे विश्व समीकरण से जुड़ना चाहता है, जिसमें उसके लिए रूस के खिलाफ सुरक्षा का एक आश्वासन हो। इसके लिए वह अमेरिका और पश्चिम यूरोप के सैनिक खेमे नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन, यानी नाटो का सदस्य बनना चाहता है। यूक्रेन एक खुदमुख्तार देश है और इसलिए उसे अपनी विदेश नीति, अपने राजनीतिक समीकरण तय करने का पूरा हक होना ही चाहिए। लेकिन रूस यह किसी कीमत पर नहीं होने देना चाहता, क्योंकि इसका अर्थ होगा, रूस के सबसे बड़े दुश्मन नाटो का उसके दरवाजे तक पहुंच जाना। ताजा विवाद की जड़ यहीं पर है। यूक्रेन की एक बड़ी दिक्कत यह है कि उसकी आबादी में तकरीबन 18 फीसदी लोग रूसी मूल के हैं और यह कहा जाता है कि वे सब इसके विरोधी हैं कि यूक्रेन नाटो में शामिल हो, लेकिन पूरी दुनिया के लिए सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि रूस और यूक्रेन, दोनों ही परमाणु हथियार संपन्न देश हैं। उनका आपसी तनाव बहुत बड़ी समस्या खड़ी कर सकता है।

आज के कार्टुन

आर्थिक जरूरतें

जग्गी वासुदेव/

सामान्य रूप से, लोग आर्थिक जरूरतों के लिए काम करते हैं। अगर आप अपने काम को, चाहे वो जो भी हो, पूरे जुनून के साथ करते हैं, तो अलग बात है, मगर अधिकतर लोग आर्थिक लाभ के लिए ही काम करते हैं। तो अगर किसी परिवार में आर्थिक कारणों से महिलाएं बाहर जा कर काम करती हैं या घर से ही आर्थिक गतिविधि में लगी हैं, तो ये बिल्कुल ठीक है। प्रश्न यह नहीं है कि आप को काम करना चाहिए या नहीं, प्रश्न यह है कि आप को उसकी जरूरत है या नहीं? आवश्यकता आर्थिक के बजाय सामाजिक हो जाती है, तो मुझे नहीं लगता कि हर एक स्त्री को बाहर जा कर काम करना जरूरी है। दुनिया में इतनी अधिक तकनीकें विकसित करने के पीछे का विचार यही है कि हम ऐसी दुनिया बनाएं जहां न पुरु षों को और न ही महिलाओं को काम करना पड़े। लेकिन बहुत से लोग इसलिए काम करते हैं कि उनके लिए काम करना मजबूरी है, काम किए बिना वे नहीं रह सकते। उन्हें पता ही नहीं होता कि वे अपने साथ और क्या करें। यह होने का एक बहुत दुर्भाग्यपूर्ण तरीका है। महिलाओं की बात करें तो पिछले 40-50 वर्षो से यह बात जोर पकड़ती जा रही है कि हर स्त्री को काम करना चाहिए। यह इसलिए हुआ है कि स्त्रियों की पुरु षों पर आर्थिक निर्भरता के कारण कुछ हद तक पुरुषों ने उनका शोषण किया है। इसकी प्रतिक्रिया के तौर पर महिलाओं को लगा कि काम पर जाना और पैसा कमाना ही इसका रास्ता है। लेकिन मुझे लगता है कि कुछ ही परिवारों में इस तरह का शोषण होता है, बहुत सारे परिवारों के लिए यह सच नहीं है। यह विचार कि आप एक सच्ची स्त्री तभी हैं जब आप पैसा कमाती हों, पुरु षों के दिमाग से उधार लिया गया है। स्त्री स्वतंत्रता के नाम पर महिलाओं ने पुरु षों के मूल्यों को अपना लिया है और यह वास्तव में गुलामी है। अगर वह स्वतंत्र होना चाहती है तो उसे पुरु षों के मूल्यों को नहीं अपनाना चाहिए। देखना चाहिए कि वह स्त्रीत्व को कैसे फूल की तरह खिलाए इस धरती पर उसके अस्तित्व से कैसे खुशबू फैले? यह कुछ ऐसा है जो सिर्फ स्त्री ही कर सकती है। मेरे व्यक्तिगत अनुभव में मेरी मां कभी काम करने बाहर नहीं गई और मेरे पिता ने भी यह कभी नहीं सोचा होगा कि वो काम करेंगी। लेकिन क्या वो कोई बेकार व्यक्ति थी? बिल्कुल नहीं।

रूस-यूक्रेन तनाव: खुले भारत की भी आंखें

- आर.के. सिन्हा

रूस-यूक्रेन के बीच जंग की स्थितियां लगातार बनी हुई हैं। आशंका है कि रूस कभी भी यूक्रेन पर हमला कर सकता है। इस अप्रिय स्थिति के चलते भारत के सामने भी बड़ी चुनौती खड़ी हो गयी है। भारत के हजारों विद्यार्थी यूक्रेन में हैं। ये वहां मेडिकल, डेंटल, नर्सिंग और दूसरे पेशेवर कोर्स कर रहे हैं। रूस-यूक्रेन के बीच होने वाली संभावित जंग को देखते हुए ये छात्र वहां से निकल कर स्वदेश आना चाहते हैं। सवाल यह है कि इतनी अधिक संख्या में यूक्रेन की राजधानी कीव और दूसरे शहरों में पढ़ रहे भारतीय नौजवानों को स्वदेश लाने के लिए कितनी उड़ानें भरनी होंगी। सरकार की तरफ से शीर्ष स्तर पर इस बिन्दु पर विचार हो रहा है और इंतजाम की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। जाहिर है, इस काम को प्राथमिकता के आधार पर करने की जरूरत है। चूंकि एयर इंडिया का स्वामित्व अब भारत सरकार के पास नहीं है तो यह देखना होगा कि सरकार की एयर इंडिया के नए मालिक टाटा समूह से यूक्रेन में फंसे हुए भारतीयों को लाने को लेकर बातचीत कहां तक पहुंची है। क्या भारत सरकार एयर इंडिया के अलावा अन्य एयरलाइंस की भी सेवाएं लेगी इस महत्वपूर्ण मिशन के लिए? ऐसी स्थिति में जबकि रूस ने यूक्रेन से लगी सरहद पर सवा लाख सैनिकों को पूरे साजो-सामान के साथ युद्ध के लिए तैनात कर रखा है। अगर हम बात साल 2014 से ही शुरू करें तो भारत ने अन्य देशों में फंसे भारतीयों को सुरक्षित स्वदेश लाने के लिए अपने सारे संसाधन झोंक दिए। अफगानिस्तान संकट के समय हम अपने हजारों नागरिकों को सुरक्षित देश लेकर आए। भारतीय वायुसेना और एयर इंडिया के विमान लगातार अफगानिस्तान से भारतीयों को लेकर स्वदेश लाते रहे। इनको ताजिकिस्तान तथा कतर के रास्ते दिल्ली या देश के अन्य भागों में लाया गया। इससे पहले टोगो में साल 2013 से जेल में बंद पांच भारतीय को सुरक्षित रिहा करवाया गया और फिर उन्हें स्वदेश भी लाया गया। इसी तरह भारत सरकार त्वरित कार्यवाही करते हुये 2015 में यमन में फंसे हजारों भारतीयों को सुरक्षित स्वदेश लेकर आयी थी। इन्हें भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस सुमित्रा से जिबूती ले जाया गया था। जिबूती से इन लोगों को चार विमानों से भारत वापस लाया गया। ये तमाम उदाहरण हाल के दौर के हैं जो साबित करते हैं कि भारत अन्य देशों में फंसे अपने नागरिकों को स्वदेश लाने में सक्षम और समर्थ है। भारत सरकार ऐसी स्थितियों में हाथ पर हाथ धरे रखकर पूर्ववर्ती सरकारों की तरह अपनी मजबूरी प्रदर्शित करने के लिए तैयार नहीं है। इस बीच, केन्द्र और राज्य सरकारों को फौरन विचार करना होगा कि यूक्रेन में इतनी बड़ा संख्या में भारतीय विद्यार्थी जाते ही क्यों हैं। इनके वहां या अन्य देशों में पढ़ने के लिए जाने के कारण हर साल भारत सरकार को अरबों रुपए की विदेशी मुद्रा व्यय करनी पड़ती है। आखिर हम अपने देश में पर्याप्त मेडिकल, इंजीनियरिंग सहित दूसरे कोर्सों की डिग्री दिलवाने वाले पर्याप्त संख्या में कॉलेज कब खोल सकेंगे। यह भी सोचना होगा कि हमारे देश में शिक्षा का स्तर क्या इतना स्तरीय नहीं है कि हर साल लाखों बच्चे श्रेष्ठ शिक्षा के लिए देश से बाहर चल जाते हैं? क्यों हम अपने शिक्षण संस्थानों में अच्छी फैक्ल्टी और दूसरी सुविधाएं नहीं दे पा रहे हैं? आगे बढ़ने से पहले कुछ आकड़ों को ही जरा देख लेते हैं। भारत से साल 2018-19 के दौरान 6.20 लाख विद्यार्थी पढ़ने के लिए देश से बाहर गए। ये आंकड़े मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने ही प्रकाशित किये हैं। साल 2017-18 में 7.86 लाख विद्यार्थी देश से बाहर पढ़ने के लिए गए थे। ये अधिकतर स्नातक की डिग्री लेने के लिए अन्य देशों का रुख करते हैं। जाहिर है, इन लाखों विद्यार्थियों के लिए देश को अरबों रुपया अन्य देशों को देना पड़ता है विदेशी मुद्रा में। हां, अगर भारतीय विद्यार्थी किसी खास शोध आदि के लिए अमेरिका के मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) या कोलोरोडो जैसे विश्वविद्लायों में दाखिला लेते हैं, तो बात समझ में भी आती है। सब जानते हैं कि अमेरिका के कुछ विश्वविद्यालय अपनी श्रेष्ठ फैक्ल्टी और दूसरी सुविधाओं की वजह से संसार के सबसे श्रेष्ठ शिक्षण संस्थान के रूप में अपने को स्थापित कर चुके हैं। यही बात ब्रिटेन के आक्सफोर्ड और कैम्ब्रिज जैसे विश्वविद्यालयों को लेकर भी कही जा सकती हैं। इनमें नोबेल पुरस्कार विजेता तक पढ़ाते हैं। इसलिए इनमें दाखिला लेने में कोई बुराई नहीं है। फिर हमारे प्रमुख शिक्षण संस्थानों जैसे आईआईटी और दिल्ली विश्वविद्यालय में भी तो विदेशी छात्र- छात्राएं आते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय में अफ्रीकी देशों जैसे केन्या, सूडान और कांगों, मॉरिशस, गुयाना, त्रिनिदाद, सूरीनाम, फिजी आदि देशों से बहुत विद्यार्थी आते हैं। अफ्रीकी देश मालावी के राष्ट्रपति बिंगु वा मुथारिका दिल्ली विश्वविद्यालय के श्रीराम कालेज ऑफ कॉमर्स और दिल्ली स्कूल ऑफ इकॉनामिक्स के ही छात्र थे। राजधानी के स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग (एसपीए) से नेपाल के 36वें प्रधानमंत्री बाबूराम भट्टरई पढ़े। देश में गगन चुंबी इमारतों, हाईवे, फ्लाईओवर, पुलों वगैरह के निर्माण करने में यहां से पढ़े छात्र-छात्राओं का खास योगदान रहा है। इसकी स्थापना 1959 हुई थी। यहां पर ईरान, सिंगापुर, मलेशिया, अफ्रीकी देशों के छात्र-छात्राएं भी आते ही रहते हैं। कहने का मतलब यह है कि भारत के श्रेष्ठतम दिल्ली विश्वविद्यालयों में विदेशी आएं और हमारे नौजवान संसार के स्तरीय संस्थानों में जाएं तो कोई दिक्कत नहीं है। लेकिन, अगर भारतीय युवा होटल मैनेजमेंट, एमबीए या सामान्य स्नातक डिग्री जैसे कोर्सेज के लिए विदेशों का रुख करने लगें तो यह एक प्रकार से गंभीर बात ही मानी जाएगी। एक बात जान ली जाए कि भारत से नौजवानों को पढ़ने के लिए बाहर जाने से हम तब ही रोक सकेंगे जब हमारे यहां पर्याप्त और बेहतरीन शिक्षण संस्थान होंगे। रूस-यूक्रेन संकट हमें बहुत कुछ सीखने का मौका दे रहा है। निश्चत रूप से हम अपने नागरिकों को यूक्रेन से निकाल लाने में सफल तो हो जाएंगे। हमारे वर्तमान सरकार में यह क्षमता है। लेकिन, अब हमें अपने यहां ही इतनी श्रेष्ठ शिक्षा की व्यवस्था करनी होगी ताकि हमारे नौजवानों को अपने ही देश के अच्छे कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में दाखिला मिल जाए। हमें अपने मेधावी नौजवानों को शिक्षा के क्षेत्र से जोड़ना होगा। उन्हें शिक्षक बनने के लिए भी प्रेरित करना होगा। उन्हें बेहतर सुविधाएं भी देनी होगी। इसके अलावा शिक्षा में शोध पर भी पर्याप्त बल देना होगा। यानी भारत की अब आंखें खुल जानी चाहिए।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

जनाधार बढ़ा सकती है कांग्रेस पार्टी

(लेखक-रमेश सर्राफ धमोरा)

देश के पांच राज्यों उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया जारी है। इन पांच राज्यों में से उत्तर प्रदेश को छोड़कर बाकी चार राज्यों में कांग्रेस पार्टी मुख्य चुनावी मुकाबले में है। फिलहाल पांच में से चार राज्यों में भाजपा व पंजाब में कांग्रेस पार्टी का शासन है। कांग्रेस पार्टी इन सभी पांच राज्यों में बेहतर प्रदर्शन करके अपने घटते जनाधार को रोक सकती है। पंजाब के साथ ही उत्तराखंड, गोवा व मणिपुर में कांग्रेस के फिर से सरकार बनाने की संभावनाएं बताई जा रही है। 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने जहां भारी बहुमत से पंजाब में अपनी सरकार बनाई थी। वहीं गोवा व मणिपुर में सबसे बड़ी पार्टी बनने के बावजूद अपनी रणनीतिक चूक के चलते सरकार बनाने से रह गई थी। इस बार कांग्रेस पार्टी को अपने प्रभाव वाले प्रदेशों में पहले से ही ऐसी सुदृढ़ रणनीति बनानी होगी। जहां बहुमत के करीब होने पर अपनी सरकार का गठन कर सके। ना कि पिछली बार की तरह बहुमत के करीब होने के बावजूद सत्ता से दूर रह जाए। 2017 के विधानसभा चुनाव के चुनावी नतीजों का विश्लेषण करें तो गोवा में कांग्रेस पार्टी ने 40 में से 36 सीटों पर चुनाव लड़कर 17 सीटें जीती थी। वहां कांग्रेस को दो लाख 59 हजार 758 वोट यानि 28.4 प्रतिशत वोट मिले थे। जबकि वहां भाजपा मात्र 13 सीटों पर ही जीत पाई थी। उसके उपरांत भी कांग्रेस के प्रभारी महासचिव दिग्विजय सिंह की ढिलाई के चलते सत्ता के नजदीक पहुंच कर भी कांग्रेस सरकार बनाने से चूक गई थी। इस बार गोवा में कांग्रेस ने गोवा फारवर्ड पार्टी से चुनावी गठबंधन कर चुनाव लड़ा है। हालांकि गोवा में कांग्रेस को कई दिग्गज नेताओं के पार्टी छोड़ने से झटके भी लगे हैं। चार बार मुख्यमंत्री व 50 साल तक विधायक रह चुके प्रतापसिंह राणे इस बार पर्ये विधानसभा सीट पर कांग्रेस टिकट मिलने के बावजूद भाजपा से अपनी पुत्रवधू डॉ दिव्या रानी के उम्मीदवार बनने पर उन्होंने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। इससे कांग्रेस को बैकफुट पर आना पड़ा। जबकि कांग्रेस इस बार गोवा में अपनी पार्टी की सरकार बनाने को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नजर आ रही है। उत्तराखंड में भी कांग्रेस सरकार बनाने के प्रति काफी आशान्वित हैं। इससे वहां भी अभी से मुख्यमंत्री पद के दावेदारो में खींचतान शुरू हो गई है। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस 70 में से मात्र 11 सीटें ही जीत सकी थी। उस वक्त कांग्रेस के मुख्यमंत्री हरीश रावत हरिद्वार ग्रामीण व किच्छा दोनों विधानसभा सीटों से चुनाव हार गए थे। 2017 में कांग्रेस को 16 लाख 65 हजार 64 यानी 33.5 प्रतिशत मत मिले थे। पिछले विधानसभा चुनाव से पूर्व उत्तराखंड कांग्रेस के कई बड़े नेता भाजपा में शामिल हो गए थे। जिससे कांग्रेसी को काफी नुकसान उठाना पड़ा था। इस बार भी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रहे किशोर उपाध्याय व महिला कांग्रेस की अध्यक्ष सविता आर्य भाजपा में शामिल हो गई है। उसकी भरपाई के लिए कांग्रेस ने यशपाल आर्य व उनके पुत्र संजीव आर्य को भाजपा छोड़कर फिर से कांग्रेस में शामिल करवा लिया था। मणिपुर में 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 60 में से 28 सीटें जीती थी। वहीं भाजपा ने मात्री 21 सीटें जीती थी। मगर कांग्रेस के नेताओं की कमजोरी के चलते वहां भाजपा की सरकार बन गई थी। उस चुनाव में कांग्रेस को 35.10 प्रतिशत वोट मिले थे। मणिपुर में सरकार बनाने को लेकर कांग्रेसी इस बार पूरी सतर्क नजर आ रही है। कांग्रेस इस बार मणिपुर में सरकार बनाने का कोई भी अवसर छोड़ना नहीं चाह रही है। क्योंकि पूर्वोत्तर में कभी कांग्रेस का एकछत्र राज होता था। मगर आज वहां के सभी आठों प्रदेशों में कांग्रेस सत्ता से बाहर है। इसलिए मणिपुर के रास्ते कांग्रेस एक बार फिर पूर्वोत्तर में अपना वर्चस्व स्थापित करने का पूरा प्रयास कर रही है। कांग्रेस के लिए इस बार पंजाब में बड़ी संघर्षपूर्ण स्थिति हो रही है। 2017 में कांग्रेस ने 117 में से 77 सीटें जीती थी तथा 38.50 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे। उस वक्त कैप्टन अमरिंदर सिंह कांग्रेस के एक छात्र नेता होते थे। मगर अब पंजाब में कांग्रेस की स्थिति एकदम से बदल गई है। कैप्टन अमरिंदर सिंह कांग्रेस से बाहर होकर भाजपा के साथ गठबंधन कर अपनी अलग पार्टी बना कर उससे चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के नेतृत्व में चुनाव लड़ रही है। पंजाब में कांग्रेस को अरविंद केजरीवाल की आप पार्टी, अकाली दल बादल व भाजपा, कैप्टन अमरिंदर सिंह की पंजाब लोग कांग्रेस व सुखबीर सिंह ढींडसा के संयुक्त अकाली दल के गठबंधन के साथ चतुष्कोणीय मुकाबला करना पड़ रहा है। अपने सबसे मजबूत प्रदेश पंजाब में कांग्रेस को कड़ा संघर्ष करना पड़ रहा है। यदि पंजाब कांग्रेस के नेता एकजुट होकर मैदान में उतरते हैं तो कांग्रेस के लिए फिर से सरकार बनाने की संभावना बन सकती है। देश के सबसे बड़े प्रदेश उत्तर प्रदेश में कांग्रेस अपनी उपस्थिति बनाए रखने की लड़ाई लड़ रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन कर 114 सीटों पर चुनाव लड़ा था। मगर महज 7 सीटें ही जीत पाई थी। उस चुनाव में कांग्रेस को 54 लाख 16 हजार 540 यानी 6.25 प्रतिशत वोट मिले थे। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी काफी लंबे समय से उत्तर प्रदेश में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए काम कर रही हैं। उसी के चलते इस बार कांग्रेस अकेले ही अपने दम पर चुनाव मैदान में उतरी है। कांग्रेस ने बड़ी संख्या में महिलाओं, अल्पसंख्यकों को भी टिकट दिया है।

सू-दोकू नवताल -2052

		4		6	5	7		
7			3	2			5	
						6	4	
	8	9		5	1	2	7	6
5	1	6	8	7		4	9	
	9	3						
	7			1	8			9
		8	7	3		1		

सू-दोकू -2051 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2052

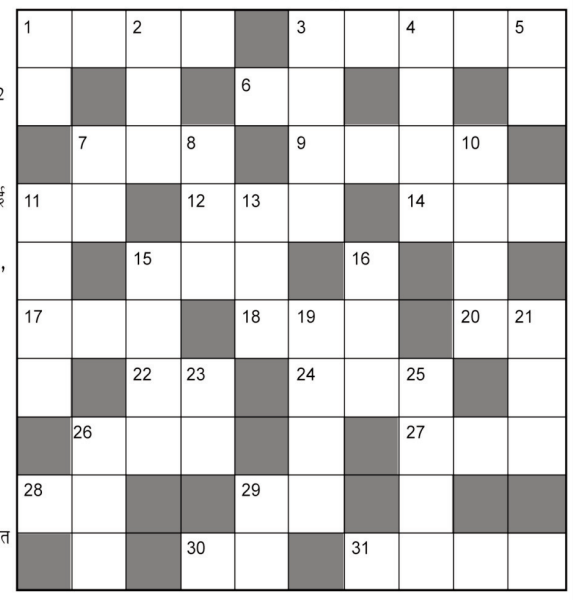

बायें से दायें:-

1. 'तू मिले दिल खिले और' गीत वाली नागार्जुन, रमैया, मनीषा की फिल्म-4
3. राजकपूर, माला की 'आँसू भरी हैं ये जीवन की राहें' गीत वाली फिल्म-5
6. 'केसरिया बालम' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टाकिया की फिल्म-2
7. शाहरूख, माधुरी की 'अठरा बरस की कँवारी कली थी' गीत वाली फिल्म-3
9. 'वो चाँद जैसी' गीत वाली शाहरूख खान, माधुरी, ऐश्वर्या की फिल्म-4
11. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-2
12. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-3
14. संजय दत्त, फरहा की 'मेरा प्यार तेरे जीवन के संग' गीत वाली फिल्म-3
15. विनोद मेहरा, बिंदिया की फिल्म-3
17. हिमालय, भाग्यश्री की 'तेरा ही प्यार मेरे इस दिल में' गीत वाली फिल्म-3
18. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि की नायिका कौन थी-3
20. अनिल, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की 'इश्क बिना क्या' गीतवाली फिल्म-2
22. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-2
24. अमिताभ, रेखा की 'कोई गाता मैं सो जात' गीत वाली फिल्म-3
26. 'बागां मां जब मोर बोले' गीत वाली अक्षयकुमार, करीना की फिल्म-3
27. विनोद खन्ना, हेमा की अरूणा राजे द्वारा निर्मित एवं निर्देशित फिल्म-3
28. 'क्यूं मेरा दिल तुझको' गीत वाली करण नाथ, मनीषा की फिल्म-2
29. नसीर, ओमपुरी, स्मिता की 'शमशीर बजे ना' गीत वाली फिल्म-2
30. 'बंधन' में सलमान का नाम ?-2
31. फिल्म 'काफी हाउस' में शम्मी कपूर की नायिका ?-2,2

ऊपर से नीचे:-

1. 'दिल ना दिया' गीत वाली फिल्म-2
2. विनोद खन्ना, बिंदू की फिल्म-3
3. 'दो दिल मिल रहे' गीत वाली फिल्म-4
4. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-4
5. 'आप से प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-2
7. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-2
8. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-3
10. 'बड़ी दूर से आये हैं प्यार' गीत वाली अनिल घवन, योगिता की फिल्म-4
11. देव आनंद, मधुबाला की 'उन के खयाल आए तो' गीत वाली फिल्म-2,2
13. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, गीताबाली की फिल्म-3
15. जयराज, निरूपा की 'ना किसी की आँख का नूर हूँ' गीत वाली फिल्म-2,2
16. फिल्म 'शिवा' में नागार्जुन के साथ नायिका कौन थी-3
19. 'लेके पहला पहला प्यार गीत वाली फिल्म-1,2,1
21. मिथुन, आदित्य, डिम्पल, मंदाकिनी की फिल्म-3
23. अनिल घवन, रश्मि वर्मा, सोनिका गिल की एक सस्पेंस फिल्म-2
25. 'पियू बोले जिया' गीत वाली फिल्म-4
26. बिस्वजीत, माला की 'अजी हो ताश के बावन पत्ते' गीत वाली फिल्म-3
29. 'चालबाज' में श्रीदेवी के एक किरदार का नाम अंजू था दूसरे किरदार का नाम ?-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2051

बा	बु	ल		आ	का	श		यु	द्ध
रि		गा	य	ब		र्मी		गां	
श	गु	न		रू	दा	ली		ध	र्म
	स		फू		ग		डो	र	
गु		दि	ल	से		मि	ली		भा
म	शा	ल		ह	म			जं	ग
रा		ज	य	रा	ज		माँ		म
ह	म	ला				बू	म	र	भा
	ह		स	फ	र		दे		ग
य	ल	गा	र			बे	व	फा	

सरकारी उपायों से एक साल में अरहर दाल के थोक भाव में आई गिरावट

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने कहा कि दलहनों की घरेलू आपूर्ति बढ़ाने तथा कीमतों को स्थिर बनाने के लिए सरकार द्वारा` किए गए उपायों से पिछले एक साल में अरहर दाल के थोक मूल्य में करीब तीन प्रतिशत की गिरावट आई है। सरकार ने आवश्यक खाद्य वस्तुओं की घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों को स्थिर करने के लिए कई उपाय किए हैं` जिससे अरहर, अरहर दाल की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई है। उपभोक्ता मामलों के विभाग (डीओसीए) के आंकड़ों के अनुसार 22 फरवरी को अरहर दाल का औसत थोक मूल्य 9,255.88 रुपए प्रति क्विंटल था, जो एक साल पहले इसी दिन 9,529.79 रुपए प्रति क्विंटल था, जो 2.87 प्रतिशत की गिरावट को दर्शाता है। इसी तरह 21 फरवरी को अरहर दाल का औसत थोक मूल्य 9,252.17 रुपए प्रति क्विंटल था, जो एक साल पहले इसी दिन 9,580.17 रुपए प्रति क्विंटल था। यह 3.42 प्रतिशत की गिरावट है। केंद्र ने कहा कि मई, 2021 में राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों को आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों की निगरानी और आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत मिल मालिकों, आयातकों और व्यापारियों के पास दलहन भंडार का खुलासा सुनिश्चित करने के लिए परामर्श जारी किया गया था। मूंग को छोड़कर सभी दालों पर स्टॉक सीमा दो जुलाई, 2021 को अधिसूचित की गई थी। इसके बाद 19 जुलाई, 2021 को एक संशोधित आदेश जारी किया गया, जिसमें चार दालों, अरहर, उड़द, मसूर, चना पर 31 अक्टूबर, 2021 तक की अवधि के लिए स्टॉक सीमा तय की गई। सरकार ने दलहनों का सुचारू और निर्बाध आयात सुनिश्चित करने के लिए 15 मई, 2021 से 31 अक्टूबर, 2021 तक मुक्त श्रेणी के तहत अरहर, उड़द और मूंग के आयात की अनुमति दी थी। अरहर और उड़द के आयात के संबंध में मुक्त व्यवस्था को 31 मार्च, 2022 तक बढ़ा दिया गया है। बयान में कहा गया है` कि आयात संबंधी नीतिगत उपायों के परिणामस्वरूप पिछले दो वर्षों की इसी अवधि की तुलना में अरहर, उड़द और मूंग के आयात में पर्याप्त वृद्धि हुई है।

बीएमडब्ल्यू की ग्रान टूरिज्मो को मिल रहा बेहतर रिस्पांस ,मौजूदा 5 सीरीज से नई 6जीटी है लंबी

नई दिल्ली ।

2020 में बीएमडब्ल्यू 6 सीरीज ग्रान टूरिज्मो का ग्लोबल डेब्यू हुआ था और एक साल बाद ही 6जीटी को अपडेटेड स्टाइलिंग के अलावा कई सारे फीचर्स शामिल करके उतार दिया। मौजूदा 5 सीरीज से नई 6जीटी लंबी है और ज्यादा स्पेस के साथ काफी प्रैक्टिकल भी है। सबसे पहले अगर हम एक्सटीरियर डिजाइन की बात करें तो फ्रंट पूरी तरह अपडेटेड दिखेगा। किडनी ग्रिल अब चौड़ी है और एलईडी लाइट्स पहले के मुकाबले ज्यादा आकर्षक लग रही है। एम स्पोर्ट वेरिएंट है तो इसमें बीएमडब्ल्यू लेजर लाइट टेक्नोलॉजी देख सकते हैं जिसका थ्रो काफी ज्यादा बढ़िया है, जी हां यानी रात के समय में अगर आप गाड़ी चलाते हैं तो ये एडेप्टिव लेजर लाइट्स 650 मीटर तक रोड पर लाइट्स थ्रो करती नजर आती हैं। फ्रंट बंपर को भी बदला है और इसमें एक नया एप्रन इस्तेमाल किया है जो कि गाड़ी को हैवी रूप देता हुआ नजर आता है। रियर बंपर पहले जैसा ही समान है और इसमें बड़ा डिफ्यूजर दिया है। हमारे पास ये एम स्पोर्ट वर्जन है और इसमें आकर्षक ट्रैपेजॉयडल टेल-पाइप्स दिए गए हैं। एलईडी टेललाइट्स पहले जैसी ही देखने को मिलते हैं। एम स्पोटर्स पैकेज है तो इसमें कई जगह आपको एम लोगों देखने को मिलेगा जैसे एक्सटीरियर, की फॉब, डोर सिल्स और ब्रेक कैलिपर्स पर, जो कि ब्लू कलर में है।

इसके साथ ही दूसरा सबसे बेहतर फीचर रियर स्पॉयलर है जो कि 120 केएमपीएच की रफ्तार पर ऑटोमैटिकली एक्टीवेट हो जाता है। इंटीरियर में आते हैं तो यहां अपडेट्स बहुत ज्यादा देखने को नहीं मिलेंगे, फिर भी ये पूरी तरह हर जगह से लग्जरी फील कराती है। सबसे पहले आपको इसमें बीएमडब्ल्यू का बड़ा 12.3 इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर देखने को मिलेगा ।

साइड-स्टैंड में खराबी आने पर ट्रायम्फ ने वापस मंगाई अपनी बाइक

न्यूयॉर्क ।

ट्रायम्फ ट्राइडेंट 660 मोटरसाइकिल में खराबी आने पर कंपनी ने इन मोटरसाइकिल वापस मंगाई है। अगर आपके पास भी ये बाइक है तो नजदीकी ट्रायम्फ डीलर से संपर्क कर सकते हैं। 7 फरवरी, 2021 और 15 मई, 2021 के बीच बनी मोटरसाइकिलों में साइड-स्टैंड की एक खास समस्या पेश आई है। अमेरिका के राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात सुरक्षा प्रशासन द्वारा जारी किए गए एक रिकॉल दस्तावेज के मुताबिक बाइक के लिए साइड-स्टैंड कच्चे माल के गलत स्पेसिफिकेशन के इस्तेमाल के साथ बनाया गया है। जिसकी वजह से समय के साथ यह साइड-स्टैंड झुक सकता है और यह मोटरसाइकिल के ज्यादा झुकने और गिरने का कारण बन सकता है। खराबी वाले हिस्से की आपूर्ति हरियाणा के फरीदाबाद स्थित फुजिन कॉर्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा की गई है। जबकि रिकॉल दस्तावेज सिर्फ अमेरिका में 314 यूनिट्स से संबंधित है। भारत में बेची गईं यूनिट्स भी कंपनी के इस रिकॉल से प्रभावित हुई हैं।

ट्रायम्फ डीलरशिप बिना कोई पैसा ट्रायम्फ डीलरशिप बिना कोई पैसा लिए खराब कंपोनेंट को बदल देगी। ग्राहक ज्यादा जानकारी के लिए अपने नजदीकी आधिकारिक ट्रायम्फ डीलरशिप से संपर्क कर सकते हैं। ट्राइडेंट को देश में मूल रूप से 6.95 लाख रुपए की एक्स-शोरूम कीमत पर लॉन्च किया गया था। अब इसकी एक्स-शोरूम कीमत 7.45 लाख रुपए है।

आठ प्रमुख शहरों में लीज पर औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक स्थलों की मांग बढ़ी

नई दिल्ली ।

आठ प्रमुख शहरों में पट्टे या लीज पर औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक स्थलों की मांग बीते साल 2021 में सालाना आधार पर 39 प्रतिशत बढ़कर 2.8 करोड़ वर्ग फुट पर पहुंच गई।।एक रिपोर्ट में कहा है कि तीसरे पक्ष वाली लॉजिस्टिक फर्मों एवं ई-कॉमर्स कंपनियों की तरफ से मांग आने से इन स्थलों को पट्टे पर देने की दर बढ़ी है। वर्ष 2020 में इन शहरों में दो करोड़ वर्ग फुट क्षेत्र पट्टे पर दिया गया था। बेंगलूरु एवं दिल्ली-एनसीआर के बाजारों में पट्टे की गतिविधियां तेज रहीं और कुल क्षेत्रफल में इनकी हिस्सेदारी करीब 44 प्रतिशत रही। रिपोर्ट के मुताबिक, तीसरे पक्ष वाली लॉजिस्टिक कंपनियों का हिस्सा पट्टे पर दिए गए क्षेत्र में करीब 41 फीसदी रहा। उसके बाद ई-कॉमर्स कंपनियां 18 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। खुदरा क्षेत्र (11फीसदी) और इंजीनियरिंग एवं विनिर्माण (11 फीसदी) भी इसमें अहम रहा। इन शहरों में लॉजिस्टिक एवं औद्योगिक स्थलों की नई आपूर्ति वर्ष 2021 में गई जो एक साल पहले 1.9 करोड़ वर्ग फुट थी।करीब 38 प्रतिशत बढ़कर 2.7 करोड़ वर्ग फुट हो गई जो एक साल पहले 1.9 करोड़ वर्ग फुट थी। दिल्ली-एनसीआर और चेन्नई नई आपूर्ति के मामले में अन्य शहरों से आगे रहे। रिपोर्ट के मुताबिक, औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक स्थल उपभोग के मामले में 50,000 वर्ग फुट से कम आकार वाली जगहों की मांग सर्वाधिक 44 प्रतिशत रही।

संक्षिप्त समाचार

चंडीगढ़ में दूरसंचार के लिए हो रहा वैकल्पिक साधनों का इस्तेमाल: सीओएआई

नई दिल्ली । मोबाइल ऑपरेटरों के संगठन सीओएआई ने कहा कि केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ के कुछ हिस्सों में बिजली कटौती से दूरसंचार सेवाओं के बाधित होने के बाद ऑपरेटर वैकल्पिक साधनों का सहारा ले रहे हैं। सीओएआई ने कहा कि चंडीगढ़ शहर के कुछ हिस्सों में बिजली कटौती हुई है जिससे दूरसंचार टॉवर काम नहीं कर पा रहे हैं। ऐसी स्थिति में मोबाइल नेटवर्क कनेक्टिविटी बाधित हो रही है। चंडीगढ़ में बिजली विभाग के कर्मचारियों ने निजीकरण की कोशिशों के खिलाफ तीन दिनों की हड़ताल की घोषणा की हुई है। इसकी वजह से शहर के कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित चल रही है। सीओएआई के महानिदेशक एसपी कोछड़ ने कहा` कि निर्बाध दूरसंचार सेवाओं के लिए टॉवरों को बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना जरूरी है, लिहाजा बैटरी, जेनसेट, सौर पैनल जैसे वैकल्पिक साधनों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

टाटा हाउसिंग मालदीव में करेगी 270 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली । टाटा समूह की रियल्टी फर्म टाटा हाउसिंग ने बुधवार को कहा कि वह मालदीव में दो लग्जरी आवासीय परियोजनाओं के विकास पर करीब 270 करोड़ रुपये का निवेश करेगी।कंपनी ने एक बयान में कहा कि वह मालदीव के माले शहर में प्रस्तावित इन दोनों परियोजनाओं में 117 आवासीय इकाइयों का निर्माण करेगी। ये दोनों परियोजनाएं हवाईअड्डे के करीब विकसित की जाएंगी। इसके साथ ही मालदीव में एक और अंतरराष्ट्रीय परियोजना भी शुरू की गई है। टाटा हाउसिंग ने करीब एक दशक पहले मालदीव में अपना कामकाज शुरू किया था। इस दौरान वह मालदीव सरकार के साथ भागीदारी में एक सामाजिक आवासीय परियोजना पूरी कर चुकी है। टाटा हाउसिंग और टाटा रियल्टी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजय दत्त ने मालदीव में अपनी परियोजनाओं के दूसरे चरण की शुरुआत का ऐलान करते हुए कहा कि कंपनी निकट भविष्य में द्वीपों के विकास पर काम करेगी।

वारबर्ग ने मेरिल में 21 करोड़ डॉलर का निवेश किया

मुंबई । वारबर्ग पिन्कस ने देश में चिकित्सा उपकरणों की सबसे बड़ी कंपनी माइक्रो लाइफ साइंसेज की अल्पांश हिस्सेदारी 21 करोड़ डॉलर (लगभग 1,575 करोड़ रुपए) में खरीदने के लिए सहमति जताई है। यह मेरिल ग्रुप की मूल कंपनी है। वैश्विक निवेशक वारबर्ग ने कहा कि इस अल्पांश हिस्सेदारी खरीद के लिए अभी भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की मंजूरी का इंतजार है।वैश्विक निवेशक वारबर्ग ने कहा कि इस अल्पांश हिस्सेदारी खरीद के लिए अभी भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की मंजूरी का इंतजार है। यह सौदा वह अपनी सहयोगी कंपनी साउथ एल्म इन्वेस्टमेंट्स के माध्यम से पूरा करेगी। जानकारी के मुतो बिक मेरिल एक तेजी से आगे बढ़ रही चिकित्सा उपकरण कंपनी है जो चिकित्सकीय रूप से प्रासंगिक और अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों का डिजाइन, निर्माण और वितरण करती है। अनुसंधान एवं विकास सुविधाओं, विनिर्माण क्षमता, वितरण पहुंच के साथ मेरिल की कई श्रेणियों में बाजार में अग्रणी स्थिति है।

हासूरा ने 10 करोड़ डॉलर जुटाए

नई दिल्ली । हासूरा ने ग्रीनओक्स की अगुवाई में वित्तपोषण के दौर में 10 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। इस दौर में मौजूदा निवेशकों नेक्सस वेंचर पार्टनर्स, लाइटस्पीड वेंचर पार्टनर्स और वेर्टेक्स वेंचर्स ने भी भाग लिया। श्रृंखला 13.65 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया है। श्रृंखला सी वित्तपोषण दौर के साथ हासूरा द्वारा जुटाई गई राशि का आंकड़ा 13.65 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया है। इस तरह हासूरा यूनिकॉर्न (एक अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन) की श्रेणी में शामिल हो गई है। हासूरा का इरादा इस राशि का इस्तेमाल शोध एवं विकास तथा वैश्विक स्तर पर गो-टू-मार्केट गतिविधियों में करने का है।

अंतरराष्ट्रीय सेवाएं सामान्य होने पर मुंबई से 1,000 उड़ानें संचा लित होंगी

मुंबई । अंतरराष्ट्रीय सेवाएं सामान्य होने के बाद मुंबई हवाईअड्डा से प्रे तिदिन 1,000 से अधिक ` विमान सेवाओं का संचालन होगा। एटीसी गिल्ड ने यह बात कही है। फिलहाल देश के दूसरे सबसे बड़े हवाईअड्डे पर हवाई यातायात कोविड-पूर्व स्तर से करीब 25 प्रतिशत कम है। सात जून, 2018 को इस हवाईअड्डे पर विमानों की आवाजाही का आंकड़ा 1,003 था। एटीसी गिल्ड (इंडिया) के मुतो बिक मार्च, 2020 में महामारी से पहले इस हवाईअड्डे पर प्रतिदिन 950 विमान आ रहे थे। फिलहाल यह संख्या घटकर 700 से कुछ अधिक है। अभी यहां प्रतिदिन 700 विमानों की आवाजाही है। यह महामारी-पूर्व के स्तर से अभी 25 प्रतिशत कम है। अंतरराष्ट्रीय उड़ानें काफी कम हैं और इसमें अधिक हिस्सेदारी घरेलू उड़ानों की है। नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानें जल्द शुरू होंगी।

भारत में इलेक्ट्रिक हैचबैक मिनी कूपर 24 को होगीलॉन्च

नई दिल्ली ।

आगामी 24 फरवरी को इलेक्ट्रिक हैचबैक 3 डोर मिनी कूपर से भारत में लॉन्च हो रही है। पिछले साल भारत में मिनी कूपर एसई इलेक्ट्रिक की बुकिंग शुरू हुई और काफी जल्दी इसके फर्स्ट बैच की सभी 30 यूनिट बुक हो गई। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि लोग 2022 मिनी इलेक्ट्रिक का कितना इंतजार कर रहे हैं। ब्रिटिश कार मेकर की आइकॉनिक हैचबैक मिनी कूपर के इलेक्ट्रिक अवतार 2022 मिनी इलेक्ट्रिक या मिनी कूपर एसई के लुक और फीचर्स की बात करें तो इसमें 17 इंच की अलॉय व्हील, राउंड हेडलैंप्स, यूनियन जैक थीम वाली एलईजी टेललाइट्स, राउंड ओआरवीएस के साथ ही ब्लैक फ्रंट ग्रिल और नई 'ई' बैज देखने को मिल रही है। भारत में मिनी कूपर एसई को वाइट सिल्वर, मिडनाइट ब्लैक, मूनवॉक ग्रे और ब्रिटिश रेसिंग ग्रीन जैसे 4 कलर ऑप्शन में पेश किया जाएगा। 2022 मिनी इलेक्ट्रिक की व्हील और ओआरवीएम पर येलो हाइलाइट्स देखने में काफी खूबसूरत लगती हैं।मिनी कूपर एसई के फीचर्स की बात करें तो इसमें 8.8 इंच का टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, 5 इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, नप्पा लेदर अपहॉल्स्ट्री समेत कई इंटीरियर फीचर्स देखने को मिल सकते हैं। वहीं पावर की बात करें तो मिनी कूपर एसई का इलेक्ट्रिक मोटर 181 बीएचपी तक की पावर और 270 एनएम टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम होगा। 3 डोर मिनी इलेक्ट्रिक में 32.6 केडब्ल्यूएच का लिथियम आयन बैटरी पैक लगा है, जो कि एक बार फुल चार्ज होने पर 270 किलोमीटर तक चल सकती है।आपको बता दें कि पिछले साल अक्टूबर में एक लाख रुपये टोकन अमाउंट के साथ मिनी कूपर इलेक्ट्रिक की बुकिंग शुरू हुई थी। अब लॉन्च के बाद इसकी डिलीवरी शुरू होगी और फर्स्ट बैच में महज 30 यूनिट मिनी इलेक्ट्रिक डिलीवर की जाएगी। इसे कंप्लीटली बिल्ट यूनिट के तौर पर भारत लाया जाएगा। आने वाले समय में इसकी और भी यूनिट भारत आएगी और लोग इसे खरीद सकेंगे। भारत में 2022 मिनी इलेक्ट्रिक को 50 लाख रुपये प्राइस रेंज में लॉन्च किया जा सकता है। इस इलेक्ट्रिक हैचबैक को 7.3 सेकेंड में 0-100 केएमपीएच की स्पीड से चला सकते हैं और इसकी टॉप स्पीड 150 केएमपीएच तक की है।

2022-23 में भारत में ईंधन खपत बढ़कर 21.45 करोड़ टन हो जाने का अनुमान

नई दिल्ली ।

कोरोना की लगातार निष्क्रिय होने से आर्थिक गतिविधियों में तेजी आने के साथ देश में ईंधन की मांग एक अप्रैल से शुरू होने वाले वित्त वर्ष 2022-23 में 5.5 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) के अनुसार 2022-23 में ईंधन खपत बढ़कर 21.45 करोड़ टन हो जाने का अनुमान है। मार्च, 2022 को समाप्त होने वाले मौजूदा वित्त वर्ष में इसके 20.32 करोड़ टन रहने की संभावना है। वित्त वर्ष 2019-20 में देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी जैसे ईंधन की खपत 21.41 करोड़ टन थी। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में पेट्रोलियम उत्पादों की मांग 4.9 प्रतिशत बढ़ी। अप्रैल-दिसंबर 2021 में ईंधन खपत 14.83 करोड़ टन रही। देश में पेट्रोलियम उत्पादों की खपत 2020-21 में 19.43 करोड़ टन थी। इस दौरान कोविड-19 महामारी को फैलने से रोकने के लिये 'लॉकडाउन' लगाया गया, जिससे आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हुई। पीपीएसी के अनुसार, अगले वित्त वर्ष 2022-23 में पेट्रोल की खपत 7।8 प्रतिशत बढ़कर 3.33 करोड़ टन रहने का अनुमान है। वहीं डीजल की बिक्री 3.9 प्रतिशत बढ़कर 7.93 करोड़ टन रहने की संभावना है। विमान ईंधन (एटीएफ) की खपत 2022-23 में 49 प्रतिशत बढ़कर 76 लाख टन रहने का अनुमान है। हालांकि, यह महामारी-पूर्व स्तर 80 लाख टन से कम है।

रसोई गैस (एलपीजी) की मांग अगले वित्त वर्ष में 4.5 प्रतिशत बढ़कर 2.96 करोड़ टन रहने की संभावना है। पीपीएसी के मुताबिक, केरोसिन या मिट्टी के तेल की बिक्री 15 लाख टन पर स्थिर रहने जबकि नाफ्था की खपत 3।3 प्रतिशत बढ़कर 1.5 करोड़ टन हो जाने का अनुमान है। पेटकोक की मांग 2.8 प्रतिशत बढ़कर 1.48 करोड़ टन पहुंच जाने की संभावना है। वहीं तारकोल की बिक्री 1.8 प्रतिशत बढ़कर 79 लाख टन रहने का अनुमान है।

त्रिपुरा सरकार अनन्नास एवं कटहल की उपज बढ़ाने शुरू करेगी योजना

अगरतला । त्रिपुरा में अनन्नास और कटहल का उत्पादन बढ़ाने के लिए राज्य सरकार जल्द ही त्रिपुरा अनन्नास एवं कटहल मिशन (टीपीजेएम) शुरू करने पर`` विचार कर रही है। राज्य के उद्योग एवं वाणिज्य सचिव पीके गोयल ने बुधवार को बताया कि टीपीजेएम को पांच साल चलाया जाएगा जिसके लिए 153 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया गया है। राज्य मंत्रिमंडल की मंगलवार को हुई बैठक में टीपीजेएम संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। त्रिपुरा में बांस उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए शुरू किए गए अभियान के बाद अब अनन्नास एवं कटहल उत्पादन को बढ़ाने पर ध्यान दिया जाएगा। गोयल के मुताबिक टीपीजेएम के क्रियान्वयन का जिम्मा उद्योग एवं वाणिज्य विभाग को दिया गया है। इसे एक अप्रैल, 2022 से पूरे राज्य में शुरू किया जाएगा। पांच साल के बाद इसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है। गोयल ने कहा कि राज्य में अनन्नास एवं कटहल का उत्पादन बड़े पैमाने पर करने की योजना है। पहले से ही ब्रिटेन एवं जर्मनी जैसे यूरोपीय देशों के अलावा पड़ोसी देश बांग्लादेश को इनका निर्यात किया जा रहा है। फिलहाल त्रिपुरा में करीब 8,800 एकड़ भूभाग में अनन्नास की खेती की जाती है जबकि कटहल की उपज 8,929 हेक्टेयर क्षेत्र में की जाती है।

स्वीफटऔर डीजायर्स सीएनजी का ग्राहकों इंतजार

दोनों कारों के बारे में सामने आया था नया अपडेट

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी स्वीफट सीएनजी और डीजायर्स सीएनजी का इंतजार ग्राहकों को लंबे वक्त से है। कुछ वक्त पहले इन दोनों कारों के बारे में नया अपडेट सामने आया था। कारस्पाई.शॉटस ने इन दोनों कारों के बारे में अहम जानकारी साझा की है। भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में सीएनजी वीकल्ज की डिमांड लगातार बढ़ रही है। इसका एक बड़ा कारण है देश में बढ़ती फ्यूल की कीमतें। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में पिछले कुछ वक्त में काफी इजाफा हुआ है। इसी वजह से कंपनियां मार्केट की डिमांड को ध्यान में रखते हुए नए सीएनजी मॉडल्स भी भारत में उतार रही हैं। वर्तमान में भारत के ऑटोमोबाइल बाजार के सीएनजी वीकल सेगमेंट में मारुति सुजुकी का मार्केट शेयर सबसे ज्यादा है। इसके बाद ह्यूंदै ने सीएनजी सेगमेंट में अपना फुटहोल्ड स्ट्रॉन्ग कर रखा है। भारतीय ऑटोमोबाइल कंपनी टाटा ने भी इस सेगमेंट में हाल ही में एंट्री की है। कंपनी ने टिआगो और टिगोर को सीएनजी के साथ लॉन्च किया है और अब ग्राहकों को टाटा पंच सीएनजी का इंतजार है। टाटा पंच को भारत में बेहद शानदार रिस्पॉन्स मिला है। सीएनजी कारों की डिमांड भारत में तेजी से बढ़ रही है। परंपरागत ईंधन जैसे डीजल और पेट्रोल की कीमतों में लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है। ऐसे में इन कारों की भारत के ऑटोमोबाइल बाजार में एंट्री ग्राहकों के लिए एक राहत भरी खबर है। यह देखना काफी दिलचस्प होगा कि भारत में इन कारों को ग्राहकों की तरफ से कैसा रिस्पॉन्स मिलता है। बता दें कि मारुति सुजुकी देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी है। भारत में सीएनजी वीकल मार्केट पर भी कंपनी का ही कब्जा है।

जेडफंड्स ने पेश की 100 रुपये दैनिक एसआईपी वाली योजना

मुंबई । म्यूचुअल फंड वितरण मंच जेडफंड्स ने 100 रुपये की दैनिक एसआईपी वाली म्यूचुअल फंड योजना पेश की जो खासकर ग्रामीण इलाकों एवं छोटे कस्बों को ध्यान में रखकर लाई गई है। जेडफंड्स ने कहा कि इस एसआईपी योजना को आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल म्यूचुअल फंड, एचडीएफसी म्यूचुअल फंड और टाटा म्यूचुअल फंड के साथ मिलकर पेश किया गया है। इसके अलावा कंपनी अपने उत्पाद पहुंच को बढ़ाने के लिए कई अन्य म्यूचुअल फंड कंपनियों के संपर्क में भी है। इस फंड योजना के जरिये जेडफंड्स की मंशा टियर-2, टियर-3 एवं टियर-4 शहरों में रहने वाले लोगों की जरूरतों को पूरा करने की है। छोटे शहरों एवं देहाती इलाकों में रहने वाले लोगों के बीच दैनिक आधार पर कमाई की दर ज्यादा होने से यह योजना ज्यादा कारगर हो सकती है। जेडफंड्स के मुताबिक, इस योजना के तहत कोई व्यक्ति दैनिक आधार पर 100 रुपये का भी निवेश कर सकता है। इससे दैनिक कामगारों और छोटे कारोबारियों के लिए भी म्यूचुअल फंड में निवेश कर पाना मुमकिन होगा। कंपनी के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनीष कोठारी ने कहा, भारत के लोगों तक म्यूचुअल फंड उत्पादों की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए यह एकदम नई अवधारणा है। इससे स्वरोजगरार में लगे और दैनिक आधार पर भुगतान पाने वाले लोगों के लिए भी निवेश का विकल्प तैयार होगा।

'द हंड्रेड' टूर्नामेंट के लिए भारत की मंधाना और जेमिमा को फ्रेंचाइजी टीमों ने बरकरार रखा

लंदन । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बल्लेबाज स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्ज को महिला 'द हंड्रेड' टूर्नामेंट के आगामी सत्र (2022) के लिए फ्रेंचाइजी टीमों ने बरकरार रखा है। वहीं तीन अन्य भारतीय खिलाड़ियों हरमनप्रीत कौर, शेफाली वर्मा और दीप्ति शर्मा को उनकी फ्रेंचाइजी टीमों ने रिलीज कर दिया हैं। इससे अब इन खिलाड़ियों को अन्य टीमें शामिल कर सकती हैं। जेमिमा इस लीग में नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स के लिए जबकि मंधाना सदर्न ब्रेव की ओर से खेलती हैं। वहीं दूसरी ओर बर्मिंघम फीनिक्स ने शेफाली , लंदन स्पिरिट ने दीप्ति और मैनचेस्टर ओरिजिनल ने हरमनप्रीत को रीटेन नहीं किया है। मंधाना ने पिछले सत्र की 7 पारियों में 167 रन बनाए थे, इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 133.60 का रहा था। रोड्रिग्स ने इस दौरान 5 पारियों में 60.25 की औसत से लगभग 250 रन बनाए थे और इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 154.48 का रहा था। जेमिमा को हालांकि अगले महीने होने वाले महिलाओं के एकदिवसीय विश्व कप के लिए भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया है।

मुक्केबाजी टूर्नामेंट में सेमीफाइनल

नंदिनी ने सेमीफाइनल में पहुंचकर सुनिश्चित किया पदक

सोफिया ।

युवा मुक्केबाज नंदिनी ने 73वें स्ट्रैंड्जा मेमोरियल मुक्केबाजी टूर्नामेंट में सेमीफाइनल में प्रवेश कर भारत के लिए पहला पदक पक्का कर लिया है। नंदिनी ने यहां बुधवार को महिलाओं के 81 से से अधिक किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में कजाकिस्तान की वेलेरिया एक्सेनोवा पर आसान जीत दर्ज की। नंदिनी ने शुरुआत से ही वेलेरिया पर दबदबा बनाया। उनके सटीक और शक्तिशाली पंचों ने तीसरे दौर में वेलेरिया को हिला कर रख दिया। परिणामस्वरूप नंदिनी को विजेता घोषित कर दिया गया। मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन नंदिनी ने अब टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश करके भारत के लिए कम से कम कांस्य पदक पक्का कर लिया है, जहां वह कजाकिस्तान की अन्य मुक्केबाज, पूर्व विश्व चैंपियन एवं 2021 एशियाई चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता लज्जत कुगेइबायेवा से भिड़ेंगी। इस बीच मौजूदा युवा विश्व चैंपियन अरुंधति चौधरी और परवीन ने भी मंगलवार देर रात को अपने-अपने शुरुआती दौर के मुकाबलों में 5-0 की फाइनल में प्रवेश किया। अरुंधति ने जहां 70 किग्रा में इटली की मेलिसा जेमिनी को मात दी प्रभावशाली जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अरुंधति ने जहां 70 किग्रा में इटली की मेलिसा जेमिनी को मात दी, वहीं परवीन ने 63 किग्रा में कजाकिस्तान की आइदा अबीकेयेवा को धूल चटाई, हालांकि सचिन कुमार (80 किग्रा) और रोहित मोर (57 किग्रा) और तीन महिला मुक्केबाज मीना रानी (60 किग्रा), अंजलि तुशीर (66 किग्रा) और स्वीटी (75 किग्रा) अपने-अपने मुकाबलों में हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। यूरोप के सबसे पुराने अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी टूर्नामेंट के चौथे दिन गुरुवार को अनामिका (50 किग्रा) पदक हासिल करने की कोशिश करेंगी, जब वह क्वार्टर फाइनल में चुनौती पेश करेंगे, जबकि सुमित (75 किग्रा) दूसरे दौर में प्रतिस्पर्धा करते नजर आएंगे। उल्लेखनीय है कि सात पुरुष और 10 महिला मुक्केबाजों वाला 17 सदस्यीय भारतीय दल टूर्नामेंट में भाग ले रहा है।

युवराज ने विराट की जमकर तारीफ की , विशेष उपहार भी दिया

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने पूर्व कप्तान विराट कोहली की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि भले ही वह दुनिया के लिए किंग कोहली हों पर मेरे लिए तो चीकू ही रहेंगे। विराट को प्यार से उनके चाहने वाले चीकू कहते हैं। युवराज ने इसके साथ ही विराट को तोहफे में एक खास तरह के गोल्डन जूते भी दिए हैं। युवी ने यह विशेष उपहार विराट को उनके सुनहरे करियर के लिए दिया है। साथ ही सोशल मीडिया पर कोहली के लिए एक भावुक संदेश भी लिखा है, इसमें उन्होंने टीम इंडिया के पूर्व कप्तान कोहली का समर्थन किया है। विराट को अभी श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए आराम दिया गया है। युवराज ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर 3 तस्वीरें साझा की हैं। पहली तस्वीर में गोल्डन कलर के एक जोड़ी जूते रखे हुए हैं। दूसरी में एक पत्र रखा हुआ है, जो उन्होंने कोहली के लिए लिखा है। वहीं तीसरी तस्वीर युवराज और कोहली की है, जो काफी पुरानी है। इस तस्वीर में दोनों ने टी शर्ट पहनने के साथ ही चश्मा भी लगा रख है। युवराज ने विराट को टैग करते हुए लिखा, ' दिल्ली के उस छोटे लड़के को जिसने सबसे अच्छा बनने का सपना देखा था। कप्तान के रूप में आपके सुनहरे करियर का जश्न मना रहा हूं,

जिसने पूरी दुनिया में लाखों क्रिकेट प्रशंसकों के चेहरों पर मुस्कान ला दी। मैं उम्मीद करता हूं कि आप जैसे हैं वैसे ही रहें, जैसा खेलते हैं वैसा खेलें और देश को गौरवान्वित करते रहें!' विराट ने टी20 सीरीज के बाद टी20 प्रारुप की कप्तानी छोड़ दी थी जबकि एकदिवसीय प्रारुप में उन्हें कप्तानी ने हटा दिया गया था। इसके बाद विराट ने दक्षिण अफ्रीका दौरे से पहले टेस्ट कप्तानी भी छोड़ दी थी।

मुझे अभी आराम की जरुरत नहीं : रोहित

लखनऊ । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि अभी उन्हें आराम की जरुरत नहीं है और वह खेलते रहेंगे। रोहित के अनुसार कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए बने जैव सुरक्षित माहौल (बायो बबल) में रहने से वह परेशान नहीं हैं। साथ ही कहा कि कार्यभार प्रबंधन के तहत जब उन्हें आराम की जरुरत होगी वह ले लेंगे। वहीं इससे पहले कहा जा रहा था कि व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम को देखते हुए तीने प्रारुपों टेस्ट , एकदिवसीय और टी20 कप्तान के रूप में रोहित किस प्रकार अपनी जिम्मेदारी निभा पायेंगे। इससे उनकी फिटनेस भी प्रभावित होने का अंदेश जताया जा रहा था पर अब रोहित के ताजा व्यान से सब कुछ स्पष्ट हो गया है। रोहित ने श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 श्रृंखला से पहले कहा, 'अभी मुझे किसी तरह की कोई परेशानी नहीं हैं और मैं सभी मैचों में खेलने के लिये तैयार हूं।' उन्होंने कहा, 'कार्यभार हमेशा इस पर निर्भर करता है कि उसके बाद क्या होता है। आप हर दिन इस पर गौर करते हैं, इसे समझते हैं। यदि आपको आराम की जरूरत होती है तो आप आराम लेते हैं और कोई अन्य आपकी जगह काम संभालता है।' रोहित ने कहा, ''आप देखते हैं कि दूसरा खिलाड़ी कैसे कमी पूरी करता है, उसमें किस तरह की क्षमता है। हालांकि अभी सब कुछ अच्छा लग रहा है।' रोहित ने हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में टीम इंडिया की कप्तानी की थी। वहीं अब वह श्रीलंका के खिलापफ टी20 और टेस्ट सीरीज के लिए तैयार हैं।

भारतीय टीम की चुनौती के लिए श्रीलंकाई कप्तान शनाका तैयार, दिया यह बयान

लखनऊ ।

आस्ट्रेलिया में बल्लेबाजों के प्रदर्शन से निराश श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका चाहते हैं कि भारत के खिलाफ गुरुवार से यहां शुरू हो रही तीन मैच की श्रृंखला में उनका शीर्ष क्रम अपने प्रदर्शन में अधिक निरंतरता दिखाए। आस्ट्रेलिया में श्रीलंका को 1-4 से शिकस्त झेलनी पड़ी। श्रृंखला का नतीजा सब कुछ बयां नहीं करता क्योंकि श्रीलंका ने मेजबान टीम को पांच मैच की श्रृंखला में अच्छी टक्कर दी। इस साल होने वाले टी20 विश्व कप से पहले श्रीलंका को परिस्थितयों और संयोजन को जानने का भी मौका मिला। श्रीलंका का शीर्ष क्रम हालांकि आस्ट्रेलिया में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाया। शनाका ने भारत के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले पर कहा कि हम चाहते हैं कि शीर्ष क्रम अच्छा प्रदर्शन करे। जब भी शीर्ष क्रम रन बनाता है तो हमारे जीतने की संभावना बेहतर होती है। भारत का गेंदबाजी आक्रमण मजबूत है और हमें अपने शीर्ष क्रम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है जिससे कि हमारे गेंदबाजों को रनों का बचाव करने का मौका मिलेगा। आस्ट्रेलिया में कोविड-19 से संक्रमित होने के कारण स्टार स्पिनर वानिंदु हसारंगा इस श्रृंखला में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। कप्तान ने कहा कि टीम को उनकी कमी खलेगी लेकिन उन्हें उम्मीद है कि युवा खिलाड़ी इस मौके का फायदा उठाएंगे। युवा खिलाड़ी पिछले कुछ समय से प्रणाली का हिस्सा हैं, उन्होंने घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन किया है। कोविड स्थिति के कारण ये चीजें सामान्य हैं। सभी टीम को इसका सामना करना पड़ रहा है। वानिंदु जल्द ही वापसी करेगा। अब भी हमारी टीम पर्याप्त मजबूत है। शनाका ने पिछले कुछ समय में सिर्फ पांच गेंदबाजों का इस्तेमाल किया है लेकिन उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वह गेंदबाजी करने के लिए तैयार हैं। हमारे पांच मुख्य गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। निजी तौर पर मुझे गेंदबाजी करना पसंद है लेकिन मुझे गेंदबाजी करने का मौका नहीं मिला। अगर किसी गेंदबाज को चोट लगती है तो मैं गेंदबाजी करने के लिए तैयार हूं। श्रीलंका ने पिछले साल स्वदेश में भारत की दूसरे दर्जे की टीम को हराया था। शनाका ने हालांकि कहा कि विराट कोहली, ऋषभ पंत (दोनों को आराम दिया गया) के अलावा चोटिल सूर्यकुमार यादव और दीपक चाहर की गैरमौजूदगी के बावजूद आगामी श्रृंखला काफी कड़ी चुनौती होगी। इन खिलाड़ियों को आईपीएल में खेलने का काफी अनुभव है।

संक्षिप्त समाचार

हसरंगा फिर पॉजिटिव पाये गये , भारत के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हुए

मेलबर्न । भारत के खिलाफ गुरुवार से शुरु हो रही तीन मैचों की टी20 सीरीज से पहले श्रीलंकाई टीम को करारा झटका लगा है। श्रीलंका के लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगा कोविड-19 से संक्रमित होने कारण भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज से बाहर हो गये हैं। वानिंदु को एक और जांच में पॉजिटिव पाया गया है। जिसके बाद से ही उनके पृथकवास की अवधि भी बढ़ा दी गयी है। श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने कहा, ' हसरंगा कोविड-19 से संक्रमित होने के बाद से ही पृथकवास पर हैं और गत दिवस हुए रैपिड एंटीजन टेस्ट में भी वह पॉजिटिव पाये गये थे। इसके बाद आरटीपीसीआर जांच में भी उनके संक्रमित होने की पुष्टि हुई। गौरतलब है कि भारत आने से पहले श्रीलंकाई टीम ऑस्ट्रेलिया गयी थी। तभी हसरंगा वहां 15 फरवरी को हुए रैपिड एंटीजन टेस्ट में पॉजिटिव आए थे। उस समय श्रीलंकाई टीम ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की टी20 सीरीज खेल रही थी। हसरंगा इसके बाद कैनबरा से मेलबर्न लाये गये और तभी से वह यहां पृथकवास में हैं। उन्हें आरटीपीसीआर जांच रिपोर्ट के नेगेटिव आने तक पृथकवास में ही रहना होगा।

एकता , नीरज सहित छह पैरा खिलाड़ी टॉप्स में शामिल

नई दिल्ली । खेल मंत्रालय ने 2024 के पेरिस ओलंपिक के साथ ही अन्य बड़े टूर्नामेंटों को ध्यान में रखते हुए छह पैरा खिलाड़ियों को लक्ष्य ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के 'कोर ग्रुप में शामिल किया गया है। जिन खिलाड़ियों को टॉप्स के कोर ग्रुप में शामिल किया गया गया है। वे हैं एकता भयन, नीरज यादव, निमिषा सी सुरेश और राधा वेंकटेश (पैरा एथलेटिक्स), प्राची यादव (पैरा डोंगीचालन) और परमजीत कुमार (पैरा पावरलिफ्टिंग)। खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने एक बैठक में इन खिलाड़ियों को शामिल किये जाने को अपनी मंजूरी दी। इस बैठक में पूर्व फुटबॉलर बाईचुंग भूटिया, लंबी कूद की एथलीट अंजू बॉबी जॉर्ज और बैडमिंटन खिलाड़ी तृप्ति मुर्गुंडे सहित विभिन्न महासंघों के प्रतिनिधियों और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा शामिल थे। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के महानिदेशक संदीप प्रधान ने इस बैठक की अध्यक्षता की थी। वहीं बैडमिंटन खिलाड़ियों अश्मिता चालिहा, अदिति भट, और युगल खिलाड़ियों एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला, विष्णुवर्धन गौड़ और कृष्ण प्रसाद, पुलेला गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली तथा शिखा गौतम और अश्विनी भट्ट को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए 43.50 लाख रुपये की सहायता को मंजूरी दी गयी है। वहीं टेबल टेनिस खिलाड़ियों मनिका बत्रा, अर्चना कामत, पायस जैन, यशस्विनी घोरफड़े, सुहाना सैनी और दीया चितले को 8.5 लाख रुपये से अधिक दिये जाएंगे। इसके अलावा मिशन ओलंपिक सेल ने स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु के मार्च और अप्रैल में जर्मन ओपन, ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप, स्विस ओपन और कोरियाई ओपन के दौरान अपने फिटनेस ट्रेनर श्रीकांत की यात्रा और ठहरने का खर्च उठाने का जो आग्रह किया था उसे भी मान लिया गया है।

मेदवेदेव , नडाल मैक्सिको ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे

अकापुल्को ।

रुस के स्टार खिलाड़ी डेनियल मेदवेदेव मैक्सिको ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। मेदवेदेव ने फ्रांस के बेनोइट पायर को 6-3, 6-4 से हराकर दूसरे दौर प्रवेश करने के साथ ही नंबर एक रैंकिंग हासिल करने का अपना अभियान जारी रखा है। मेदवेदेव अगर यहां खिताब जीतने में सफल रहता है तो वह सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच की जगह विश्व के नंबर एक खिलाड़ी बन जाएंगे। इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन में उप विजेता रहे मेदवेदेव पहली बार मैक्सिको ओपन में खेल रहे हैं। मेदवेदेव अगर यह टूर्नामेंट जीत जाते हैं या फाइनल में पहुंचते हैं , वहीं दूसरी ओर और जोकोविच दुबई ओपन में हार जाते हैं तो मेदवेदेव साल 2004 के बाद नंबर एक पर पहुंचने वाले पांचवें खिलाड़ी बन जाएंगे। गौरतलब है कि पिछले 18 वर्षों में जोकोविच, रोजर फेडरर, राफेल नडाल और एंडी मर्रे ही अबतक शीर्ष पर पहुंचे हैं। मेदवेदेव को यहां खिताब के एक अन्य दावेदार स्पेन के नडाल से सेमीफाइनल में मुकाबला करना पड़ सकता हैहोगा। नडाल ने डेनिस कुडला को 6-3, 6-2 से हराकर शानदार शुरुआत की है। नडाल को अब दूसरे दौर में स्टीफन कोज़लोव से खेलना है। मेदवेदेव पहली बार यहां नडाल से खेल सकते हैं। वहीं अन्य मैचों की बात करें तो यूनान के स्टेफनोस सिटसिपास ने लास्लो जेरे को 7-6(7), 7-6(4) से हराया। एक अन्य मुकाबले में टॉमी पॉल ने पांचवीं वरीयता प्राप्त मैटियो बेरेटिनी के दूसरे सेट में पेट दर्द के कारण हट जाने के बाद दूसरे दौर में जगह बनाई जबकि योशिहितो निशियोका ने फेलिसियानो लोपेज को 2-6, 6-0, 6-4 से हराया।

पुरुष हॉकी टीम के कोच ग्राहम रीड ने आईओए प्रमुख बत्रा से मुलाकात की, इस मुद्दे पर हुई बात

नई दिल्ली । राष्ट्रीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच ग्राहम रीड ने भारतीय ओलंपिक संघ के प्रमुख नरिंदर बत्रा से मुलाकात की। देश के इस शीर्ष खेल प्रशासक ने हॉकी टीम के हालिया प्रदर्शन में निरंतरता की कमी पर सवाल उठाया था। बत्रा अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ के भी प्रमुख हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह हॉकी इंडिया से पिछले साल तोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक कांस्य के बाद बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका में टीम के 'अस्वीकार्य प्रदर्शन के पीछे के कारणों को समझाने के लिए कहा था। बत्रा ने कहा कि आज भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच ग्राहम रीड से मुलाकात की। वह भुवनेश्वर से दिल्ली मुझसे मिलने आए थे। बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के प्रदर्शन पर विस्तृत चर्चा हुई। हमने 2022 एशियाई खेलों तक की तैयारियों के बारे में चर्चा की जो भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमों दोनों के लिए ओलंपिक क्वालीफायर है।एशियाई खेलों में केवल स्वर्ण पदक जीतने पर ही टीम 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करेगी। बत्रा ने पिछले मंगलवार को हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ज्ञानेंद्रो निंगोमबम को कड़े शब्दों में कहा था कि पिछले साल तोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक कांस्य पदक के बाद टीम का प्रदर्शन गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि टीम का प्रबंधन सही तरीके से नहीं किया जा रहा है। टीम पिछले साल दिसंबर में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी खिताब का बचाव नहीं कर सकी और फिर पिछले सप्ताह दक्षिण अफ्रीका में एफआईएच प्रो लीग के एक मैच में टीम निचली रैंकिंग वाली फ्रांस से हार गई थी। बत्रा ने कहा कि टीम जिस तरह से प्रदर्शन कर रही है वह बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है और इस बात पर ध्यान देना चाहिये कि सभी स्तरों पर समस्याएं कहां हैं। इस महीने दक्षिण अफ्रीका में एफआईएच प्रो लीग के चार मैचों में भारतीय टीम ने तीन में जीत दर्ज की और एक में हार का सामना करना पड़ा। टीम ने दक्षिण अफ्रीका को दो बार 10-2 के समान अंतर से हराया। बत्रा के लिए हालांकि चिंता की बात यह थी कि समान अंतर से हराया। बत्रा के लिए हालांकि चिंता की बात यह थी कि दूसरे चरण के मुकाबले में फ्रांस को 5-0 से हराने के बाद टीम दूसरे मैच में इस टीम से 2-5 से हार गई थी।

श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हुए सूर्यकुमार और चाहर

लखनऊ । यहां गुरुवार से श्रीलंका के खिलाफ शुरु हो रही तीन मैचों की टी20 सीरीज से पहले ही भारतीय टीम को करारा झटका लगा है। युवा आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव और तेज गेंदबाज दीपक चाहर इस सीरीज से बाहर हो गये हैं। सूर्यकुमार और चाहर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज में अहम भूमिका निभाई थी। ऐसे में इन दोनो ही खिलाड़ियों के बाहर होने से भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ी हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ भारतीय टीम ने एकदिवसीय और टी20 के सभी मुकाबले जीते थे। भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ गुरुवार को पहले टी20 मुकाबले में उतरेगी। वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी करने वाले सूर्यकुमार के हाथ में हल्का फ्रैक्चर है जिसकी वजह से वह अगली सीरीज में श्रीलंका के खिलाफ नहीं खेल पाएंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली गई सीरीज के अंतिम मुकाबले में सूर्यकुमार को यह चोट लगी थी। उस मैच में इस बल्लेबाज ने मैच विजेता अर्धशतकीय पारी खेली थी। वहीं चाहर लखनऊ में अभ्यास के दौरान दर्द से परेशान दिखे। वह भी हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण श्रीलंका के खिलाफ टी-20 सीरीज में नहीं खेलेंगे। इस कारण उन्हें एक से डेढ़ महीने तक मैदान से बाहर होना पड़ सकता है। चाहर ने भी इंडीज के खिलाफ गेंद और बल्ले से बेहतरीन प्रदर्शन किया था। भारत- श्रीलंका सीरीज का नया कार्यक्रम पहला टी20 24 फरवरी (गुरुवार) लखनऊ दूसरा टी20 26 फरवरी (शनिवार) धर्मशाला तीसरा टी20 27 फरवरी (रविवार) धर्मशाला पहला टेस्ट 4 से 8 मार्च मोहाली दूसरा टेस्ट 12 से 16 मर्च बैंगलोर ।

आईपीएल में बड़े शॉट खेलने के इरादे से उतरेंगे सिंगापुर के टिम

मुम्बई ।

सिंगापुर मूल के इस ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज टिम डेविड ने कहा है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में आक्रमक बल्लेबाजी करेंगे। टिम ने कहा कि वह बड़े शॉट खेलने के लिए जोखिम उठाने से भी पीछे नहीं हटेंगे। टिम को आईपीएल के 15 वें सत्र के लिए हुई नीलामी में मुंबई इंडियन्स टीम ने 8.25 करोड़ रुपए में खरीदा है। इस बल्लेबाज को विश्व टी20 लीग में बड़े शॉट खेलने वाले खिलाड़ी के तौर पर जाना जाता है। इस खिलाड़ी ने कहा कि वह मुम्बई टीम के कप्तान रोहित शर्मा और वेस्टइंडीज के क्रिकेटर कीरोन पोलार्ड के प्रशंसक हैं और इनके साथ खेलने को लेकर उत्साहित हैं। इस युवा खिलाड़ी ने कहा, 'उनके साथ बल्लेबाजी करने का विचार रोमांचक है। पोलार्ड के पास बड़े शॉट खेलने की जबरदस्त क्षमता है। उनकी कुछ पारियों को देखा है कि मैंने महसूस किया है कि मैं भी ऐसा कर सकता हूं। अगर हम बीच और आखिरी के ओवरों में साथ बल्लेबाजी करते हैं तो मैच को विरोधी टीम की पहुंच से दूर ले जा सकते हैं। वहीं कप्तान रोहित को लेकर सिंगापुर के इस खिलाड़ी ने कहा, 'रोहित एक विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं। जब वह बल्लेबाजी करते हैं तो वह बहुत सहज दिखते हैं, यह बहुत ही अनूठी बात है। इस स्तर के खिलाड़ियों के साथ समय बिताने और उनके दिमाग को पढ़ने की कोशिश करने से उन्हें लाभ मिलेगा।। आईपीएल में स्वयं की योजना पूछे जाने पर डेविड ने कहा, 'मैं अपने खेल को सरल रखने की कोशिश करता हूं। मैं कई अलग-अलग हालातों में बल्लेबाजी के लिए आ सकता हूं पर मेरा उद्देश्य हमेशा ही सकारात्मक दृष्टिकोण रखना और कुछ जोखिम उठाने के लिए तैयार रहना होगा। वह पिछली बार आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) टीम का हिस्सा थे। इस क्रिकेटर ने बिग बैश लीग (ऑस्ट्रेलिया) पाकिस्तान सुपर लीग, द हंड्रेड (इंग्लैंड) और कैरेबियन प्रीमियर लीग (वेस्टइंडीज) में विभिन्न टीमों की ओर से खेला है।

महिला हॉकी प्रो लीग मुकाबले में सविता होंगी भारतीय टीम की कप्तान

नई दिल्ली । भारतीय महिला हॉकी टीम इस माह भुवनेश्वर में स्पेन के खिलाफ 26 और 27 फरवरी को होने वाले एफआईएच महिला हॉकी प्रो लीग मुकाबले में अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया की कप्तानी में उतरेगी क्योंकि नियमित कप्तान रानी रामपाल अब भी फिट नहीं हो पायी हैं। पूनिया के अलावा स्पेन के खिलाफ होने वाले मैचों के लिए सविता के साथ दीप ग्रेस एक्का को उप कप्तान बनाया गया है। इस टीम में झारखंड की युवा फारवर्ड संगीता कुमारी को भी शामिल किया गया है जो अगले सप्ताह अंतरराष्ट्रीय हॉकी में पदार्पण कर सकती हैं। वहीं हॉकी इंडिया के चयनकर्ताओं ने इन दो मैचों के लिए रश्मिता मिंज, अक्षता अबसो ढेकाले, सोनिका, मारियाना कुजूर और ऐश्वर्या राजेश चौहान को भी स्टैंड बाय खिलाड़ियों के रूप में रखा है। भारतीय टीम की मुख्य कोच यानेक शोपमैन ने कहा, 'हम स्पेन के खिलाफ अपने घरेलू प्रो लीग मैचों को लेकर उत्साहित हैं। ओमान से लौटने के बाद हमने अच्छा अभ्यास किया और मुझे विश्वास है जिन 22 खिलाड़ियों का चयन किया गया है वे स्पेन के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार रहेंगी। टीम इस प्रकार है गोलकीपरः सविता (कप्तान), बिचु देवी खरीबाम, रजनी एतिमारपू। रक्षापंक्ति : दीप ग्रेस एक्का (उप-कप्तान), गुरजीत कौर, निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी। मध्यपंक्ति : निशा, सलीमा टेटे, सुशीला चानू पुखरामबम, ज्योति, मोनिका, नेहा, नवजोत कौर, नमिता टोप्पो। अग्रिम पंक्ति : वंदना कटारिया, शर्मिला देवी, नवनीत कौर, लालरेम्सियामी, संगीता कुमारी, राजविंदर कौर। स्टैंडबायः रश्मिता मिंज, अक्षता अबसो ढेकाले, सोनिका, मारियाना कुजुर, ऐश्वर्या राजेश चौहान।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उत्तराखंड की वह जगह जहाँ लंका दहन के बाद हनुमान जी ने बुझाई थी अपनी पूँछ की आग

देवभूमि कहा जाने वाला उत्तराखंड राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता, खूबसूरत नज़ारों व इतिहास को लेकर दुनियाभर में मशहूर है। उत्तराखंड में कई प्राचीन पहाड़, गंगा-यमुना सहित कई खूबसूरत जगहें हैं। माना जाता है कि इन चोटियों पर देवी-देवताओं के कई रहस्य और कहानियां छिपी हुई हैं। ऐसी ही एक रहस्यमई चोटी उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में स्थित बंदरपूंछ ग्लेशियर में भी है। आइए जानते हैं इसके बारे में-

रामायण काल है संबंध

बंदरपूंछ का शाब्दिक अर्थ है - 'बंदर की पूंछ'। यह एक ग्लेशियर है जो उत्तराखंड के पश्चिमी गढ़वाल क्षेत्र में स्थित है। यह ग्लेशियर समुद्र तल से लगभग 6316 मीटर ऊपर स्थित है। इसका ग्लेशियर का संबंध रामायण काल से माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार जब लंकापति रावण ने भगवान हनुमान की पूंछ पर आग लगाई थी तो उन्होंने पूरी लंका में आग लगा दी थी। इसके बाद हनुमान जी ने इस चोटी पर ही अपनी पूंछ की आग बुझाई थी। इसी कारण इसका नाम बंदरपूंछ रखा गया। यही नहीं, यमुना नदी का उद्गम स्थम यमुनोत्री हिमनद भी बंदरपूंछ चोटी का हिस्सा माना जाता है।

बंदर पूंछ में तीन चोटियां हैं - बंदरपूछ 1, बंदरपूंछ 2 और काली चोटी भी स्थित है। यमुना नदी का उद्गम बंदरपुंछ सर्किल ग्लेशियर के पश्चिमी छोर पर है। बंदरपूंछ ग्लेशियर गंगोत्री हिमालय की रेंज में पड़ने वाला है। इस ग्लेशियर पर सबसे पहली चढ़ाई मेजन जनरल हैरोल्ड विलयम्स ने साल 1950 में की थी। इस टीम में महान पर्वतारोही तेनजिंग नोर्गे, सार्जेंट रॉय ग्रीनवुड, शेरपा किन चोक शेरिंग शामिल थे।

बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने का सही समय

बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने के लिए सबसे अच्छा समय मार्च से लेकर अक्तूबर का महीना माना गया है। वहीं, अगर आप यहां पर ट्रैकिंग का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो मई और जून का महीना बेस्ट रहेगा।

उठा सकते हैं ट्रैकिंग का लुत्फ

सैलानी यहां पर ट्रैकिंग का लुत्फ भी उठाते हैं। इस दौरान आप ट्रैकिंग के रास्ते पर बसंत ऋतु के कई फूल देख सकते हैं। इसके अलावा आपको कई जानवरों की दुर्लभ प्रजातियां भी देखने को मिल सकती है। बता दें कि बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने के लिए आपको देहरादून जाना पड़ेगा। वहां से आप उत्तरकाशी के लिए गाड़ी लेकर ग्लेशियर पहुँच सकते हैं।

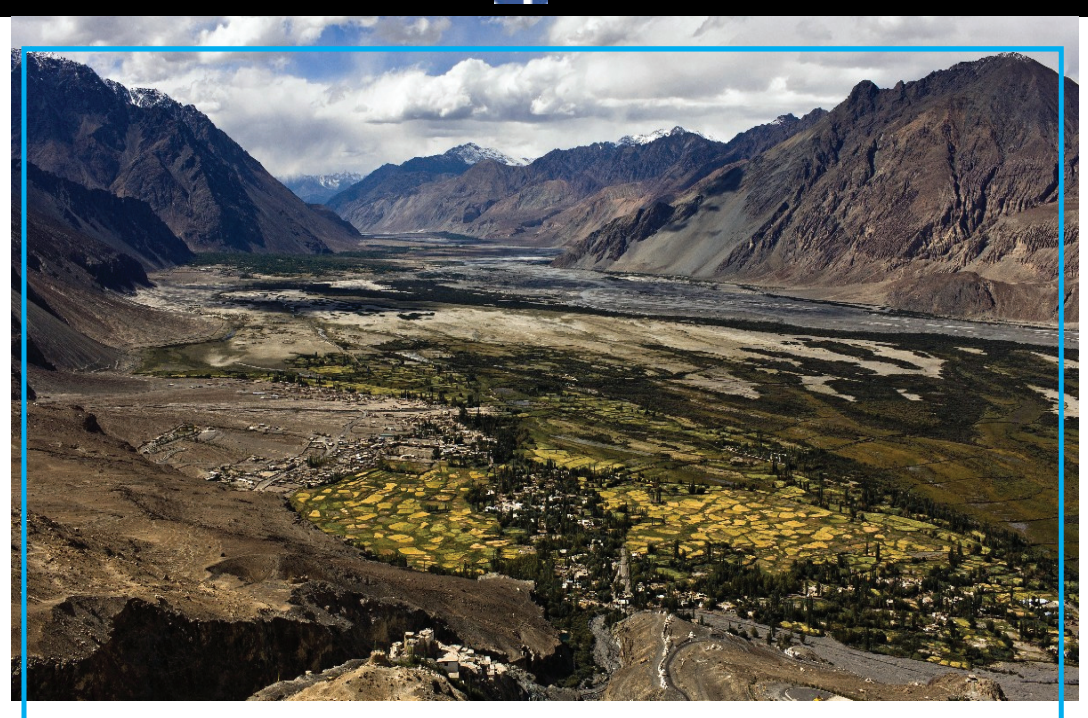

जंगली गुलाबों से सजी है लद्दाख की यह घाटी

खूब लुत्फ उठाते हैं देश-विदेश के पर्यटक

लेह-लद्दाख अपनी प्राकृतिक सुंदरता और खूबसूरती के लिए देश ही नहीं दुनियाभर में प्रसिद्ध है। लद्दाख को भारत का मुकुट कहा जाता है। लद्दाख में बहुत से पर्यटक स्थल हैं। आज हम आपको लद्दाख में स्थित नुब्रा घाटी के बारे में बताने जा रहे हैं। नुब्रा घाटी लद्दाख की ऊंची और खूबसूरत पहाड़ियों के बीच बसी है। देश ही नहीं दुनियाभर से लोग इस घाटी में घूमने आते हैं। आइए जानते हैं नुब्रा घाटी के बारे में-

लद्दाख के बाग के नाम से मशहूर है नुब्रा घाटी

नुब्रा घाटी लेह से 150 किमी की दूरी पर बसी एक आकर्षक और खूबसूरत घाटी है। नुब्रा का मतलब होता है - फूलों की घाटी। यह घाटी गुलाबी और पीले जंगली गुलाबों से सजी है। इसकी सुंदरता की वजह से नुब्रा घाटी को 'लद्दाख के बाग' के नाम से भी जाना जाता है। इस घाटी का इतिहास सातवीं शताब्दी ई। पूर्व पुराना है। इतिहासकारों के मुताबिक इस घाटी में चीनी और मंगोलिया ने आक्रमण किया था। नुब्रा घाटी श्योक और नुब्रा नामक दो नदियों के बीच में बसी है। यहां आकर आप एक अलग तरह की संस्कृति का अनुभव करेंगे। इस घाटी की रेत और आकर्षक पहाड़ियां यहाँ आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। सर्दियों में नुब्रा घाटी का मौसम काफी ठंडा रहता है इसलिए सर्दियों में यहाँ जाना थोड़ा मुश्किल होता है। यहाँ जाने के लिए सबसे सही समय मई से सितंबर तक रहता है।

नुब्रा घाटी का सफर

अगर आप नुब्रा घाटी जाना चाहते हैं तो आपको सड़क मार्ग से होकर जाना होगा। नुब्रा घाटी पहुंचने के लिए सबसे पहले आपको राष्ट्रीय मार्ग से खर्दुंग ला तक का सफर करना होगा, यह दुनिया का सबसे ऊँचा दर्रा है।। उसके बाद खर्दुंग गांव से होते हुए श्योक घाटी तक पहुँच सकते हैं। श्योक घाटी में बने घर और चारगाह पर्यटकों को खूब आकर्षित करते हैं। नुब्रा घाटी जाने से पहले यात्रियों को दो दिन के लिए लेह में रुकने की सलाह दी जाती है। एक बार जब यात्री यहां के वातावरण में ढल जाते हैं, तब नुब्रा घाटी के लिए आगे की यात्रा शुरू कर सकते हैं। नुब्रा घाटी तक की यात्रा में आपको ऐसी खूबसूरत सड़के मिलेंगी जो आपका दिल जीत लेंगी। नुब्रा घाटी के करीब पहुंचने पर रेत के टीलों के साथ सुनसान सड़क यहाँ आने वाले पर्यटकों का स्वागत करती हैं।

नुब्रा घाटी का व्यापारिक केंद्र 'डिस्किट'

डिस्किट को नुब्रा घाटी का व्यापारिक केंद्र कहा जाता है। यह गाँव बहुत ही सुंदर है। अगर आपको शांत वातावरण पसंद हैं तो आप डिस्किट से दस किलोमीटर दूर पश्चिम में हंडर की यात्रा कर सकते हैं। यहाँ के मैदानी इलाकों में आपको शांति और सुकून का अनुभव होगा। यहां आपको दो कूबड़ वाले ऊंट देखने को मिल सकते हैं। डिस्किट और हंडर में रुकने के लिए बहुत सारे होटल, होम स्टे, रिसॉर्ट और टेंट उपलब्ध हैं।

नुब्रा घाटी कैसे पहुंचे

जहाँ पहले परिवाहन की सुविधा ना होने के कारण लेह-लद्दाख जाना कठिन था, वहीं अब कुशोक बकुला रिम्पोछे एयरपोर्ट की वजह से दुनिया के किसी भी हिस्से से लेह जाना बेहद आसान हो गया है। आप दिल्ली से लेह के लिए फ्लाइट ले सकते हैं। इसके बाद आप मनाली और स्पीती के रास्ते निजी वाहन या बस से नुब्रा घाटी पहुँच सकते हैं।

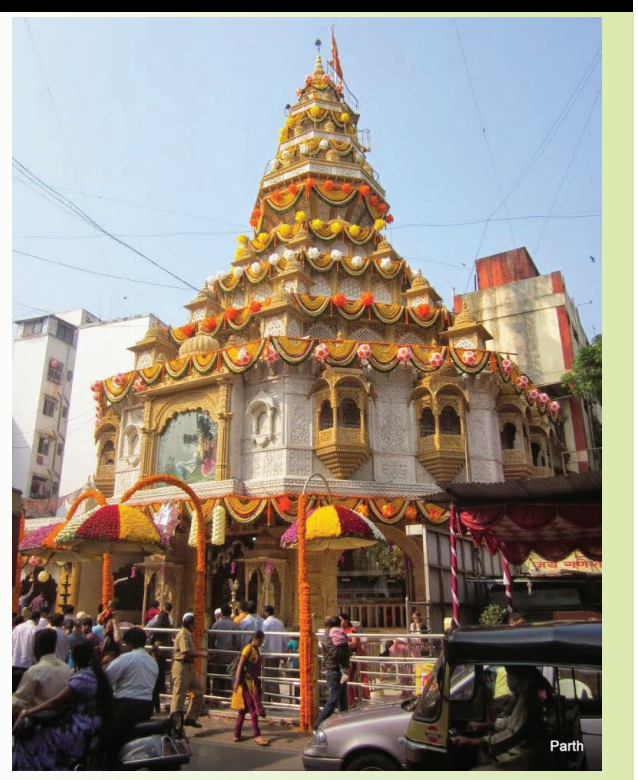

पुणे में घूमने के लिए हैं कई बेहतरीन जगहें, आप भी जाएं जरूर

महाराष्ट्र का सांस्कृतिक केंद्र कहा जाने वाला पुणे एक बेहद ही खूबसूरत जगह है, जहां पर हर किसी को एक बार अवश्य जाना चाहिए। यहां पर आपको कई ऐतिहासिक स्मारक देखने को मिलेंगे तो इस क्षेत्र की आध्यात्मिक महत्ता भी कम नहीं है। अगर आप वीकेंड पर अपनी रोजमर्रा की जिन्दगी से एक ब्रेक चाहते हैं तो आपको पुणे घूमकर आना चाहिए। यकीन मानिए कि यह स्थान आपको कभी भी निराश नही करेगा। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पुणे में स्थित कुछ बेहतरीन प्लेसेस के बारे में बता रहे हैं-

शनिवार वाडा

जब पुणे में घूमने की जगहों की बात होती है तो उसमें शनिवार वाडा का नाम सबसे पहले लिया जाता है। यह महल बाजीराव पेशवा प्रथम द्वारा बनाया गया था। महल में पांच द्वार, नौ बुर्ज, लकड़ी के खंबे और जाली का काम किया है। इस महल के साथ कई कहानियां जुड़ी हुई हैं, जिसके कारण लोग इस जगह पर आते हैं और एक अद्भुत अनुभव प्राप्त करते हैं।

आगा खान पैलेस

अगर आप एक इतिहास प्रेमी हैं, तो आपको एक बार इस जगह पर अवश्य जाना चाहिए। 1892 में सुल्तान मोहम्मद शाह आगा खान III द्वारा निर्मित, यह महल भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं का गवाह है। आगा खान पैलेस अकाल से पीड़ित स्थानीय लोगों के बचाव करने से लेकर महात्मा गांधी, उनकी पत्नी कस्तूरबा गांधी, महादेव देसाई और सरोजिनी नायडू की कैद और महादेव देसाई और कस्तूरबा गांधी की मृत्यु का एक चश्मदीद गवाह है। मुख्य महल को अब महात्मा राष्ट्रीय स्मारक में बदल दिया गया है, जहां महात्मा गांधी के जीवन को प्रदर्शित करने वाली तस्वीरें और पेंटिंग रखी गई हैं।

दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर

यह मंदिर ना केवल पुणे बल्कि महाराष्ट्र में सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। मंदिर हिंदू भगवान गणेश को समर्पित है और इसका निर्माण दगडूशेठ हलवाई द्वारा करवाया गया था। यह मंदिर इतना लोकप्रिय है कि देश के साथ-साथ दुनिया भर से लोग इसे देखने आते हैं। इस मंदिर में यूं तो हमेशा ही एक अलग चहल-पहल रहती है, लेकिन गणेश महोत्सव के समय यहां का नजारा बस देखते ही बनता है।

पार्वती हिल

पार्वती हिल पुणे में घूमने की बेहतरीन जगहों में से एक है। पार्वती हिल शहर के दक्षिणी छोर पर स्थित है। पहाड़ी में शिव, गणेश, विष्णु और कार्तिकेय के चार प्रमुख मंदिर हैं। यहां के प्रमुख मंदिर को पार्वती मंदिर कहा जाता है, जो कभी पेशवा शासकों का एक निजी मंदिर था। आगंतुकों को यहां पहुंचने के लिए 108 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। अगर आप यहां हैं तो आपको पार्वती संग्रहालय अवश्य देखना चाहिए क्योंकि इसमें प्राचीन चित्रों और पांडुलिपियों की प्रतिकृतियां हैं।

टीपू सुल्तान का किला: अवशेष सुनाते हैं बुलंदियों की गाथा

भारत के मुस्लिम स्थापत्य में कर्नाटक राज्य में बेंगलुरू में टीपू सुल्तान उर्फ बेंगलुरू का किला अपना विशेष महत्व रखता है। एक समय में यह भव्य और ऐतिहासिक किला दक्खन के मजबूत किलों में शुमार था और पूरी भव्यता के साथ मौजूद था। विडम्बना ही कह सकते हैं कि इस किले के आज कुछ अवशेष ही शेष रह गए हैं। अवशेष भी किले की भव्यता को बताते हैं और सैलानियों को लुभाते हैं।

यह किला लगभग एक किमी लम्बाई में बना था जो दिल्ली गेट से वर्तमान केआईएमएस परिसर तक फैला हुआ था। सुरक्षा की दृष्टि से किला पानी की चौड़ी खाइयों से घिरा हुआ था। किले की प्राचीर में 26 बुर्जों की कमान थी जी चारों तरफ से महल की रक्षा करते थे। किला असामान्य अंडाकार आकार में था और किले को तोड़ने और कब्जा करने के प्रयास में लॉर्ड कॉर्नवालिस और उनकी सेना द्वारा की गई क्षति के दृश्य चिह्नों के साथ मोटी दीवारों द्वारा संरक्षित किया गया है।

किले की विशिष्ट विशेषताओं में से एक तीन विशाल लोहे के घुंडी वाला एक लंबा द्वार है। दीवारों पर कमल, मोर, हाथियों, पक्षियों और अन्य विस्तृत रूपांकनों की नक्काशी दर्शनीय है। मोटी लैटराइट दीवारें सभी को लुभाती हैं। टीपू के किले को पालक्काड फोर्ट भी कहा जाता है। किला कभी एक महत्वपूर्ण सैन्य छावनी हुआ करता था। आज यह किला भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित है। यह स्थल पालक्काड आने वाले सभी पर्यटकों का एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है।

समर पैलेस

अल्बर्ट विक्टर रोड और कृष्णा राजेंद्र के केंद्र में स्थित किले के मध्य बना 'समर पैलेस' इंडो-इस्लामिक वास्तुकला का सुंदर नमूना है। इसे मैसूर के सुल्तान हैदर अली ने बनवाना शुरू किया और टीपू सुल्तान ने उसको 1791 में पूरा करवाया। महल के भव्य मेहराब और कोष्ठक इस्लामी प्रभाव को दर्शाते हैं, जबकि स्तंभों के चारों ओर स्थित कोष्ठक प्रकृति में भारतीय हैं। दुमंजिली इमारत की पहली मंजिल पर चार कोनों पर स्थित 4 शाही कमरे, एक बड़ा हॉल, कक्ष और दो बालकनी हैं जहाँ से सुल्तान अधिकारियों को संबोधित करते थे और अपना राज दरबार आयोजित करते थे।

महल एक मजबूत पत्थर के चबूतरे पर बना है और इसमें उत्कृष्ट नक्काशीदार लकड़ी के खंभे हैं जो पत्थर के आधार पर टिके हुए हैं। यह पेलेस गहरे भूरे रंग में सागौन की लकड़ी से बना खूबसूरत रचना है। इस्लामी कला महल के आंतरिक भाग में 'आनंद का निवास' शिलालेखों के साथ सजा है। आंतरिक भाग में लोग टीपू सुल्तान से जुड़े इतिहास के बारे में जानकारी दी गई है। दीवारों पर पेंटिंग और भित्ति चित्र सुल्तान की बहादुरी और शख्सियतों की कहानियों का वर्णन करते हैं। प्रत्येक छोर पर महल के रंगीन अंदरूनी और दीवारों को देख सकते हैं। ये कभी रत्नों से आच्छादित थे जिन्हें बाद में हटा दिया गया। यहां सुल्तान द्वारा उपयोग किए जाने वाले हथियारों, रॉकेट तकनीक की पूर्णता और उनके कुछ अन्य उपकरणों की एक झलक देखने को मिलती है। उनके टाइगर सिंहासन के चित्र दीवारों पर सुशोभित हैं। भव्य महल का उपयोग राजा द्वारा गर्मियों में किया जाता था और इसे 'एबोड ऑफ हैपीनेस' और 'रैश ए जन्नत' अर्थात 'स्वर्ग की ईर्ष्या' के रूप में जाना जाता है।

संग्रहालय

किले के एक हिस्से में संग्रहालय बना दिया गया है जिसमें पशु-पक्षियों के माडल, मुद्राएं, अस्त्र-शस्त्र, पोशाक, पुराने बर्तन आदि को प्रदर्शित किया गया है। वर्तमान में वर्तमान में दिल्ली गेट और दो गढ़ों के अवशेष और टीपू सुल्तान का समर पेलेस ही शेष रह गए हैं।

स्वर्णिम पृष्ठभूमि

ऐतिहासिक प्रमाणों के अनुसार किले को शुरुआत में 1537 ई. में विजयनगर साम्राज्य के प्रमुख और बेंगलुरू के संस्थापक केम्पे गौड़ा द्वारा मिट्टी के किले के रूप में बनाया गया था। गौड़ा का एक ऐसा शहर बनाने का सपना था जो हम्पी जैसा सुंदर हो और एक किला, मंदिरों, तालाबों या जल जलाशयों और एक छावनी के साथ एक राजधानी शहर हो। इसलिए गौड़ा ने एक आकर्षक किला बनाया और इसे मिट्टी से मजबूत किया। मुगलों ने 1687 ई. में बैंगलुरू शहर पर कब्जा कर लिया और इसे 1689 ई. में मैसूर के तत्कालीन राजा चिक्का देवराज वोडेयार को पट्टे पर दे दिया, जिन्होंने मौजूदा किले का और विस्तार किया। लगभग 100 साल बाद महान योद्धा टीपू सुल्तान के पिता हैदर अली द्वारा 1781 ई. में किले को पुनर्निर्मित और मजबूत किया गया और टीपू सुल्तान द्वारा पूर्ण किया गया। वर्ष 1791 ई.लॉर्ड कॉर्नवालिस के नेतृत्व में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा किले पर हमला किया गया था, जिसमें लगभग 2,000 लोग मारे गए थे। खूनी लड़ाई के बाद, ब्रिटिश सेना ने महल पर कब्जा कर लियाा। अंग्रेजों का किले पर कब्जा होने के बाद उन्होंने ने इसे तोड़ना शुरू कर दिया, यह प्रक्रिया 1930 के दशक तक जारी रही। प्राचीर और दीवारों को तोड कर सड़कों के लिए रास्ता बनाया, जबकि शस्त्रागार, बैरक और अन्य पुराने भवनों को तोड कर कॉलेजों, स्कूलों, बस स्टैंडों और अस्पतालों के लिए रास्ता बनाया। नवंबर 2012 में मेट्रो निर्माण स्थल पर श्रमिकों ने टीपू सुल्तान के समय की तोपों के साथ एक-एक टन वजन वाली 2 विशाल लोहे की तोपों का पता लगाया।

पर्यटक आते हैं यहां

महल के आस-पास के बगीचों में आराम कर सकते हैं। लोग यहां शांति और सुकून से टहलने और जॉगिंग करने आते हैं। किला देखने के लिए निर्धारत शुल्क लगता है तथा किले के इतिहास और घटनाओं को जानने के लिए गाइड सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। यह पर्यटकों के लिए प्रतिदिन सुबह 8:30 से शाम 5:30 तक खुला रहता है। पर्यटक बड़ी संख्या में इसे देखने आते हैं। बेंगलुरू देश के सभी बड़े शहरों से हवाई एवं रेल सेवाओं से जुड़ा है। कर्नाटक राज्य के सभी स्थलों से बस सेवाएं उपलब्ध हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रूस की नई कार्रवाई पर कूटनीतिक चुप्पी बनाकर सयंम बरताने की बात कह रहा चीन

बीजिंग । यूक्रेन के दो अलगाववादी क्षेत्रों की स्वतंत्रता को मान्यता देने के रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के कदम से पैदा हुए विवाद के बीच रूस के प्रमुख सहयोगी चीन ने मास्को की नई कार्रवाई पर कूटनीतिक चुप्पी बनाकर संयम बरतने का आह्वान किया। अमेरिका, यूरोपीय संघ और उनके सहयोगी देश, रूस के खिलाफ गतिरोध में यूक्रेन का मजबूती से समर्थन कर रहे हैं। लेकिन चीन ने यह कहकर अलग रूख दिखाया कि रूस की वैध सुरक्षा चिंताओं का सम्मान होना चाहिए। लेकिन यूक्रेन के दो अलगाववादी क्षेत्रों की स्वतंत्रता को मान्यता देने के पुतिन के कदम को लेकर पूछे गए सवालों को टाल दिया। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लंकन व चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच हुई वार्ता में यूक्रेन मुद्दा प्रमुखता से सामने आया। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि ब्लिंकन ने वांग को यूक्रेन की मौजूदा स्थिति पर अमेरिका के विचारों और स्थिति से अवगत कराया, वहीं वांग ने कहा कि यूक्रेन की स्थिति पर चीन करीबी नजर रख रहा है। वांग ने पुतिन के नवीनतम कदम का जिक्र करते हुए कहा कि चीन मुद्दे के आधार पर सभी पक्षों को शामिल करना जारी रखेगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यूक्रेन में स्थिति बिगड़ती जा रही है। उन्होंने दो अलगाववादी क्षेत्रों के संबंध में पुतिन के कदम का जिक्र किए बगैर कहा कि चीन एक बार फिर सभी पक्षों से संयम बरतने, तनाव को कम करने और बातचीत के माध्यम से मतभेदों को हल करने का आह्वान करता है।

पुतिन के कदम से बढ़ेगा और तनाव :नाटो प्रमुख

वाशिंगटन । उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के महासचिव जेंस स्टोलटेनबर्ग ने कहा कि रूस यूक्रेन के खिलाफ सैन्य कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने दक्षिण-पूर्वी यूक्रेन में अलगाववादी क्षेत्रों की स्वतंत्रता को मान्यता देने के मॉस्को के फैसले की निंदा की। स्टोलटेनबर्ग ने पुतिन के कदम को ''तनाव बढ़ाने वाला और अंतरराष्ट्रीय कानून का घोर उल्लंघन बताया। नाटो प्रमुख ने कहा कि इससे हर संकेत'' मिल रहा है कि रूस यूक्रेन पर व्यापक स्तर पर हमला करने की योजना बना रहा है। उन्होंने कहा कि नाटो सहयोगियों ने 100 युद्धक विमानों को हाई अलर्ट पर रखा है और आर्कटिक सर्कल से भूमध्य सागर तक 120 से अधिक युद्धपोत समुद्र में तैयार हैं। इस बीच, रूसी सांसदों ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को देश के बाहर सैन्य बल प्रयोग करने की अनुमति दे दी। अमेरिका ने कहा है कि यूक्रेन पर पहले ही हमला हो चुका है। रूसी संसद के ऊपरी सदन 'फेडरेशन काउंसिल' ने रूस से बाहर सैन्य इस्तेमाल की पुतिन को अनुमति देने के लिए सर्वसम्मति से वोट दिया। इससे पूर्वी यूक्रेन में विद्रोही क्षेत्रों में रूसी सैन्य तैनाती को औपचारिक रूप प्रदान हो गया। इन क्षेत्रों में आठ वर्ष पुराने संघर्ष में करीब 14,000 लोगों की मौत हो चुकी है। इससे पहले, पश्चिमी देशों के नेताओं ने कहा कि रूस के सैनिक यूक्रेन के पूर्वी हिस्से में पहुंच गए हैं। अमेरिका ने पूर्वी यूक्रेन में रूसी सैनिकों की तैनाती का जिक्र करते हुए रूस के कदम को आक्रमण करार दिया है। अमेरिका यूक्रेन संकट के शुरू में इस शब्द का इस्तेमाल करने से हिचकिचाता रहा। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि इस कदम के परिणामस्वरूप अमेरिका रूस पर कड़ी पाबंदियां लगाएगा। इसके पहले दिन में कई पश्चिमी देशों के नेताओं ने कहा कि पूर्वी यूक्रेन के विद्रोहियों के नियंत्रण वाले इलाकों की स्वतंत्रता को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा मान्यता दिए जाने के बाद रूसी सैनिक इन इलाकों में प्रवेश कर गए हैं, लेकिन कुछ नेताओं ने कहा कि यह यूक्रेन पर पूर्ण आक्रमण के समान नहीं है। बेलारूस, कजाकिस्तान, अजरबैजान और आर्मेनिया सहित रूस के निकट सहयोगी पूर्वी यूक्रेन में विद्रोहियों के कब्जे वाले क्षेत्रों की स्वतंत्रता को मान्यता देने के मॉस्को के फैसले को तत्काल समर्थन देने से हिचकिचाते नजर आए।

ब्रिटेन ने पांच रूसी बैंकों और देश के तीन अमीर नाग रिक पर लगाया प्र तिबंध

लंदन । रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा यूक्रेन के खिलाफ आक्रामक कार्रवाई को लेकर ब्रिटेन ने पांच रूसी बैंकों और इस देश के तीन बेहद अमीर लोगों पर सख्त प्रतिबंध लगाए। प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने संसद को बताया कि यह यूक्रेन के दो अलगाववादी क्षेत्रों में रूसी सैनिकों के प्रवेश के खिलाफ जवाबी उपायों की %पहली कड़ी% है। ब्रिटेन ने रोसिया, आईएस बैंक, जनरल बैंक, प्रोम्सव्याज बैंक और ब्लैक सी बैंक के अलावा रूस से ताल्लुक रखने वाले तीन अरबपतियों - गेनेडी टिमचेंको, बोरिस रोटेनबर्ग और इगोर रोटेनबर्ग- पर प्रतिबंध लगाए हैं। ये तीनों अरबपति पुतिन के करीबी होने के चलते पिछले कई वर्षों से अमेरिकी प्रतिबंध सूची में शामिल रहे हैं। जॉनसन ने संसद से कहा` कि यह उन जवाबी उपायों की पहली कड़ी, पहली बाधा है, जिसे हम लागू करने के लिए तैयार हैं। अगर हालात और ज्यादा बिगड़ते हैं तो हम तेजी के साथ प्रतिबंधों में इजाफा करेंगे। हमें लंबे संकट के लिए खुद को मजबूत करना चाहिए। उन्होंने कहा` कि ब्रिटेन अपने सहयोगियों के साथ मिलकर इस चुनौती से निपटेगा। जॉनसन ने कहा` कि इस मजबूत इरादे के साथ कि हम पुतिन को हमारे महाद्वीप की प्रकृति का स्वरूप बिगाड़ने की अनुमति नहीं देंगे। रूस ने हाल ही में नए विधेयक के साथ यूक्रेन के विद्रोही क्षेत्रों पर कब्जा जमाने की तैयारी कर ली, जिससे उसे वहां सैनिकों को तैनात करने की अनुमति मिल जाएगी।

करने की अनुमति मिल जाएगी रूस ने ये नए विधेयक तब पेश किए हैं, जब एक दिन पहले राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पूर्वी यूक्रेन में अलगाववादी क्षेत्रों की स्वतंत्रता को मान्यता दे दी।

यूएई में 8500 साल पुरानी इमारत खोजने का दावा किया

दुबई । संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के पुरातत्वविदों ने 8500 साल पुरानी इमारत खोजने का दावा किया है। वैज्ञानिकों का दावा है कि यह बिल्डिंग इससे पहले मिली इमारत से भी 500 साल ज्यादा पुरानी है। अबूधाबी के संस्कृति और पर्यटन विभाग ने इस शानदार खोज की जानकारी दी है। यह प्राचीनतम इमारत अबू धाबी शहर के पश्चिम में स्थित घाघा द्वीप पर मिली है। इस द्वीप से जो ढांचा मिला है, वह साधारण गोल कमरों की तरह से है जिसके चारों ओर पत्थर की दीवार है। यह दीवार 3.3 फुट ऊंची है और अभी भी काफी हद तक सुरक्षित है। शोधकर्ताओं के दल ने कहा कि यह ढांचा संभवतः एक छोटे से समुदाय का घर था जो इस द्वीप पर उस समय रहते थे। उन्होंने कहा कि यह खोज इस बात का दर्शाती है कि लंबी दूरी तक समुद्री व्यापारिक रास्ते शुरू होने से पहले ही नवपाषाण युग की बस्तियां यहां मौजूद थीं। इस जगह से हजारों की तादाद में पुरावशेष भी मिले हैं। इनमें पत्थर से बने तीर के नोक भी शामिल हैं जो शिकार के लिए इस्तेमाल किया जाते थे। टीम ने कहा कि इस बात की संभावना है कि यहां रहने वाले लोग समुद्र में मिलने वाले प्राकृतिक संसाधनों का इस्तेमाल करते थे। संस्कृति विभाग के चेयरमैन मोहम्मद अल मुबारक ने कहा, घाघा द्वीप पर हुई खोज यह दर्शाती है कि इनोवेशन की विशेषता, स्थायित्व और लचीलापन यहां रहने वाले लोगों के

डीएनए में हजारों साल पहले से ही मौजूद थी। इससे पहले यूएई में सबसे पुरानी बिल्डिंग की खोज मारवाह द्वीप पर हुई थी जो अबू धाबी के तट पर स्थित है। यही पर साल 2017 में दुनिया का सबसे पुराना मोती मिला था। हालांकि पुरातत्वविदों को अभी भी भरोसा नहीं है कि इस घर का कब इस्तेमाल किया गया। इस बिल्डिंग के पास एक शव दफन किया हुआ मिला है जो करीब 5 हजार साल पुराना है। अबूधाबी द्वीप पर यह कुछ चर्चित कब्रों में शामिल है।

संक्षिप्त समाचार

पुतिन को सांसदों ने देश के बाहर सेना का इस्तेमाल करने की अनुमति

मॉस्को । रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को सांसदों ने देश के बाहर सेना का इस्तेमाल करने की अनुमति दे दी है। इसके बाद रूस के 10 हजार से ज्यादा सैनिक अलगाववादियों के कब्जे वाले क्षेत्रों में प्रवेश कर गए हैं। चिंता है कि यक्रेन में सेना की मदद से पुतिन जमीन पर कब्जा करने की कोशिशें कर सकते हैं। खास बात है कि हाल ही में कई पश्चिमी देशों ने रूस पर प्रतिबंध लगाने की बात का समर्थन किया है।रिपोर्ट में सैन्य सूत्रों के हवाले से बताया गया कि हजारों रूसी सैनिक पहले ही यूक्रेन में हैं। कुछ समय पहले ही पुतिन ने अपनी सेना को सीमा पार करने के आदेश दिए हैं। यूक्रेन सैन्य खुफिया व्यवस्था से जुड़े सूत्रों ने बताया कि 10 हजार से ज्यादा सैनिक रातभर में अलगाववादियों के कब्जे वाले इलाके में आ चुके हैं। इसमें 6 हजार डोनेट्स्क, 5 हजार लुहांस्क और 1500 होर्लिविका में हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने कहा, इसका भरोसा करना मुश्किल है कि (पुतिन) इतने जल्दी यह कर सकते हैं, लेकिन उनके पास तैयारी का काफी समय था। रूसी सांसदों ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को देश के बाहर सैन्य बल प्रयोग करने की मंगलवार को अनुमति दे दी। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि इस कदम के परिणामस्वरूप अमेरिका रूस पर कड़ी पाबंदियां लगाएगा। इसके पहले दिन में कई पश्चिमी देशों के नेताओं ने कहा कि पूर्वी यूक्रेन के विद्रोहियों के नियंत्रण वाले इलाकों की स्वतंत्रता को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा मान्यता दिए जाने के बाद रूसी सैनिक इन इलाकों में प्रवेश कर गए हैं, लेकिन कुछ नेताओं ने संकेत दिया कि यह यूक्रेन पर पूर्ण आक्रमण के समान नहीं है। वहीं, व्हाइट हाउस के प्रधान उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन फाइनर ने कहा, 'हमारा मानना है कि यह आक्रमण की शुरुआत है। यूक्रेन पर रूस से नए आक्रमण की शुरुआत है।

सिंगापुर के विदेशी कामगारों पर की गई सख्ती की नी ति जांच संबंधी: मंत्री

सिंगापुर । सिंगापुर के वित्त मंत्री लॉरेंस वोंग ने कहा कि उनका देश विदेशी कामगारों और पेशेवरों को अस्वीकार नहीं कर कर रहा है, बल्कि उनके रोजगार की जांच कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पिछले शुक्रवार को 2022 के बजट में विदेशी कामगारों पर पेश की गई सख्ती की नीति जांच संबंधी है, ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि ये कामगर पर्याप्त कुशल हैं। वोंग ने इसके साथ ही कहा कि सिंगापुर को एक समाज और एक अर्थव्यवस्था के रूप में हमेशा उदार होना चाहिए। उल्लेखनीय है कि विभिन्न क्षेत्रों में निपुण कर्मचारियों की उच्च मांग के कारण एक छोटे प्रौद्योगिकी व्यवसाय के मालिक के लिए प्रतिभाशाली कर्मचारियों को खोजना और उन्हें प्रतिस्पर्धी वेतन देना मुश्किल हो गया है। इसलिए उन्होंने इंडोनेशिया और भारत में श्रमिकों को काम पर रखने का सुझाव दिया है, जो अपने देश से ही उनके लिए काम कर सकें। वोंग ने कहा कि विदेशी कामगार नीति में संशोधन से कुशल कर्मचारियों को रखने में बाधा उत्पन्न नहीं होगी और वह अब भी रोजगार पास के जरिये उनकी सेवा ले सकते हैं।

अमेरिका में हेलीकॉप्टर हादसे में चार की मौत

होनोलूलू । अमेरिका में हवाई के कोआई द्वीप में एक हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से चार लोगों की मौत हो गई। अमेरिकी नौसना ने यह जानकारी दी। पैसिफिक मिसाइल रेंज फैसिलिटी ने बताया कि ड़ान भरने के कुछ देर बाद ही हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें सवार सभी चार लोगों की मौत हो गई है। पैसिफिक मिसाइल रेंज फैसिलिटी' ने एक विज्ञप्ति में बताया कि हेलीकॉप्टर क्रोमैन कोर से रवाना हुआ था और प्रशिक्षण अभियान में सहयोग कर रहा था। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने ट्वीट किया कि एजेंसी सिकोरस्की एस-61 एन हेलीकॉप्टर हादसे की जांच कर रही है।

छींकने या खांसने से अधिक दूरी तक होता कोरोना वायरस का प्रसार

वाशिंगटन । हाल ही में प्रयोगशाला में किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि छींकने या खांसने से संक्रमित व्यक्तियों के मुंह से निकली अति सूक्ष्म बूंदों में कोरोना वायरस की उपस्थिति अनुमान से ज्यादा समय तक बनी रह सकती है। ये कण हवा में ज्यादा दूरी तय कर सकते हैं। अध्ययन में छोटी बूंदों में कोरोना वायरस की मौजूदगी के संबंध में अध्ययन किया गया। अमेरिकी ऊर्जा विभाग की पैसिफिक नॉर्थवेस्ट नेशनल लेबोरेटरी (पीएनएनएल) के शोधकर्ताओं ने पाया है कि म्यूकस (बलगम) के जरिए वायरस काफी आगे तक पहुंचा सकता है। परंपरागत समझ यह रही है कि श्वसन तंत्र से उत्पन्न होने वाली ज्यादातर छोटी बूंदें हवा में तुरंत सूख जाती हैं और कोई नुकसान नहीं होता है। शोधकर्ताओं की टीम का अनुमान है कि बलगम के आवरण में बूंदें 30 मिनट तक नम रह सकती हैं और लगभग 200 फीट तक की यात्रा कर सकती हैं। अध्ययन से जुड़े लेखक लियोनार्ड पीज ने कहा, ''किसी संक्रमित व्यक्ति की तरफ से हवा के झोंकें से या संक्रमित व्यक्ति के कमरे से बाहर निकलने के कई मिनट बाद भी उस कमरे में लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की खबरें आ रही हैं।

चैट ग्रुप पर कोरोना के दैनिक मामलों की संख्या लीक, 18 हफ्तों की कैद

सिंगापुर । सिंगापुर के कोरोना के दैनिक मामलों की संख्या एक चैट ग्रुप पर लीक करने को लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय की एक पूर्व वरिष्ठ अधिकारी को 18 हफ्तों की कैद की सजा सुनाई गई है। खबर के मुताबिक, स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा स्थापित डेटा प्रबंधन इकाई की एक पूर्व उप प्रमुख झाओ झेंग (37) पर 12 आरोप लगे हैं, जिसमें ज्यादातर सरकारी गोपनीयता कानून के तहत गलत तरीके से संचार करने से संबद्ध हैं। अन्य 12 आरोपों को भी संज्ञान में लिया गया। झाओ ने 16 मार्च 2020 से चीन से संबद्ध वीचैट ग्रुप पर 49 अन्य सदस्यों के साथ कोविड के मामलों की संख्या साझा करना शुरू किया था। इसमें कहा गया है कि उन्होंने अतिरिक्त ब्यौरा भी साझा किया था, जैसे कि देश में संक्रमण के कितने मामले विदेशी नागरिकों के हैं। खबर में कहा गया कि कभी-कभी झाओ ने उस समूह में खबर में कहा गया कि कभी-कभी झाओ ने उस समूह में सदस्यों के साथ 'गेस द नंबर' खेल के दौरान आंकड़े लीक किए। उप सरकारी अभियोजक जोशुआ लिम ने झाओ के लिए छह से नौ महीने की कैद की सजा की मांग की। वहीं, सजा सुनाते हुए न्यायाधीश ने कहा कि झाओ ने उन पर जताये गये विश्वास को तोड़ा है।

कोरोना के खिलाफ वैश्विक टीकाकरण के लिए भारत-अमेरिका साझेदारी अहमः संधू

वाशिंगटन । अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने कहा कि कोविड-19 के खिलाफ दुनिया भर के लोगों के टीकाकरण के लिए भारत और अमेरिका की स्वास्थ्य क्षेत्र में साझेदारी अहम है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक टीकाकरण प्राथमिकता की नीति होनी चाहिए। संधू ने कहा कि टीकाकरण का वैश्विक मानचित्र कम विकसित देशों में असमानता की कहानी कहता है, जिनमें अफ्रीका के देश शामिल हैं जहां पर 10 प्रतिशत या इससे भी कम आबादी का टीकाकरण हुआ है। संधू ने यह बात सभी के लिए टीका विषय पर आयोजित एक डिजिटल गोलमेज बैठक में कही, जिसमें बिल गेट्स भी शामिल हुए। इस दौरान कैसे सभी को सुरक्षित, सस्ते और विश्वसनीय टीके मुहैया कराए जाएं इस मुद्दे पर चर्चा हुई। इस सम्मेलन में बिल ऐंड मिलिंडा फाउंडेशन के सह अध्यक्ष के अलावा नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके पॉल, , विश्व स्वास्थ्य संगठन की मुख्य वैज्ञानिक डॉ.सौम्या स्वामीनाथन, ह्यूस्टन स्थित बायलर कॉलेज ऑफ मेडिसिन के प्रोफेसर पीटर जे हॉट्ज आदि ने भी शिरकत की। विश्व स्वास्थ्य संगठन की मुख्य वैज्ञानिक डॉ.सौम्या स्वामीनाथन, ह्यूस्टन स्थित बायलर कॉलेज ऑफ मेडिसिन के प्रोफेसर पीटर जे हॉट्ज आदि ने भी शिरकत की। स्वामीनाथन ने कहा` कि इस वैश्विक महमारी के दौरान अनुसंधान एवं विकास तथा सभी संक्रामक बीमारियों के लिए टीके के विकास के संबंध में काफी कुछ सीखा गया है। संधू ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग एवं साझेदारी तीन कारणों से अहम है। पहला टीका सहित स्वास्थ्य क्षेत्र में दोनों देशों का दीर्घकालिक सहयोग रहा है, दूसरा दोनों देशों का तालमेल मजबूत रहा है और तीसरा भारत तथा अमेरिका के बीच अद्वितीय तालमेल है, जिसका लाभ उठाया जा सकता है।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री जॉनसन ने रूस के 5 बैंक और 3 अरबपतियों के खिलाफ पाबंदियों की घोषणा की

लंदन । यूक्रेन के दो राज्यों को स्वतंत्र घोषित करने और अलगाववादियों की मदद के लिए सेना भेजने के ऐलान के बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अमेरिका-यूके और उनके सहयोगियों के निशाने पर आ चुके हैं। इसके बाद अमेरिका, यूके और उनके सहयोगियों ने रूस पर प्रतिबंध लगाने शुरू कर दिए हैं। ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने रूस के 5 बैंक और 3 अरबपतियों के खिलाफ पाबंदियों का ऐलान किया है।जिन बैंकों पर प्रतिबंध लगे हैं, उसमें रोसिया, आईएस बैंक, जनरल बैंक, प्रॉमस्व्याज बैंक और ब्लैक सी बैंक शामिल हैं। वहीं, तीनों अरबपतियों गेनेडी टिमचेंको, बोरिस रोटेनबर्ग और आइगर रोटेनबर्ग की ब्रिटेन में संपत्ति को जब्त कर उन्हें ब्रिटेन आने से रोका जाएगा। जॉनसन के ऐलान के बाद कुछ सांसदों ने कहा कि ये प्रतिबंध पर्याप्त नहीं हैं, इस पर जॉनसन ने कहा कि हालात बिगड़ने पर नए प्रतिबंध भी लग सकते हैं। अमेरिका ने अलगाववादियों के कब्जे वाले लुहांस्क और डोनेत्स्क में अमेरिकी नागरिकों द्वारा कारोबार किए जाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। हालांकि, कुछ अमेरिकी कंपनियां अब भी इन क्षेत्रों में सक्रिय हैं। व्हाइट हाउस की ओर से जारी बयान के मुताबिक, अगर रूस यूक्रेन पर हमले की तैयारी करता है,तब वह उस पर सख्त प्रतिबंध लगाएंगे। प्रतिबंधों की कड़ी में जो बाइडन ने दो बैंकों के खिलाफ प्रतिबंधों की घोषणा कर दी है। इस उन्होंने रूस के खिलाफ प्रतिबंधों की पहली किश्त बताया। बाइडन ने दो बड़े बैंकों, वीईबी और रूसी सैन्य बैंक से जुड़े व्यापार को अवरुद्ध करने और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणालियों से रूसी अर्थव्यवस्था के कुछ हिस्सों को काटने की घोषणा की। वहीं, ब्रिटेन के नेता रूस की राजनीतिक शख्सियतों और बैंकों पर निशाना साधने की योजना बना रहे हैं। साथ ही, फाइनेंशियल मार्केट में रूस पर प्रतिबंध लगाने की भी तैयारी कर रहे हैं। रूसी विदेश मंत्री सेरगई लावरोव ने पश्चिमी देशों के प्रतिबंध के खतरे को नकार दिया। उन्होंने कहा कि हम पर हर हाल में प्रतिबंध लगाए जाएंगे। चाहे कोई कारण हो या न हो। तुर्की के राष्ट्रपति तैईप एर्दोगन ने यूक्रेन के अपने समकक्ष वोलोदिमीर जेलेंस्की से बातचीत की। साथ ही, कहा कि वह यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता को निशाना बनाने वाली रूस की नीति का विरोध करते हैं।

यूक्रेन में महिलाओं ने उठाए हथियार, 13000 से अधिक महिलाओं ने रूसी सैनिकों के विरुद्ध संभाला मोर्चा

कीव । रूसी हमले के खतरे के बीच यूक्रेन की सेना भी पूरी तरह तैयार है। अपने संबोधन में राष्ट्रपति व्लादिमिर जेलेंस्की भी कह चुके हैं कि हमारी सेना अब पहले से अलग है। यूक्रेन की नई सेना अब बड़ी संख्या में महिलाएं भी भर्ती हो रही हैं। महिलाओं ने देश की रक्षा के लिए अपना घर-परिवार छोड़कर हथियार उठा लिए हैं। यूक्रेन की सेना महिलाओं को लड़ने की प्राथमिक ट्रेनिंग देकर युद्ध के लिए तैयार कर रही है। यूक्रेन की सेना में महिलाओं की पहले से ही बड़ी भागीदारी है। 30 हजार से अधिक महिला सैनिकों में अब 20 से 60 साल की गृहणियां और कामकाजी महिलाएं भी शामिल हो रही हैं। ये महिला सैनिक किसी भी पुरुष सैनिक टुकड़ी पर भारी पड़ने के लिए काफी हैं। 2014 में जब रूस ने क्रीमिया पर कब्जा कर लिया था तब महिला सैनिकों ने अपना दम दिखाया था। रूस हमले में बड़ी संख्या में यूक्रेनी नागरिकों और सैनिकों की मौत भी हो गई थी। यक्रेन 1993 से अपनी सेना में महिलाओं को जगह दे रहा है। सेना में महिलाओं की भागीदारी 15 फीसदी है। कुल 1100 महिलाएं सैन्य अफसर के पद पर तैनात हैं। वहीं, युद्ध के मैदान में 13000 से अधिक महिलाएं मौजूद हैं। वर्तमान में यूक्रेन की महिला सैनिक देश के पूर्वी अशांत हिस्से में रूस समर्थित विद्रोहियों से लोहा ले रही हैं। डोनबास के दोनों इलाकों को रूस अलग देश के रूप में मान्यता दे चुका है और सेना तैनात करने के आदेश भी दे चुका है। पिछले हफ्ते से विद्रोही इलाकों में गोलाबारी की खबरें आ रही हैं।

रूस को दोस्त चीन से मिल रही पूरी मदद, प्रतिबंध से नहीं डर रहे पुतिन

मॉस्को । रूस की ओर से यूक्रेन पर हमले की आशंका तेजी से बढ़ी हैं। ऐसा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पूर्वी यूक्रेन में रूस समर्थित अलगाववादी क्षेत्रों की स्वतंत्रता को मान्यता देने के साथ ही हो गया है।रूस के फैसले से तनाव और बढ़ गया है। इस बीच अमेरिका और कनाडा की ओर से रूस को लेकर कई प्रतिबंधों की घोषणा की गई है। उधर जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज ने कहा कि उनके देश ने नॉर्ड स्ट्रीम 2 गैस पाइपलाइन के प्रमाणन की प्रक्रिया को रोकने के लिए कदम उठाए हैं, क्योंकि पश्चिमी देश यूक्रेन संकट के मद्देनजर रूस के खिलाफ दंडात्मक उपाय कर रहे हैं। यह फैसला जर्मन सरकार का महत्वपूर्ण कदम है, इसकी आलोचना रूस ने की है। लेकिन रूस को चीन से अब मदद मिल रही है। पाइपलाइन के द्वारा रूस से यूक्रेन और पोलैंड के रास्ते बाल्टिक सागर से जर्मनी को गैस भेजने की योजना थी। हालांकि विशेषज्ञ ऐसी संभावना हैं कि पुतिन को यूरोपीय देशों और अमेरिका से मिल प्रतिबंधों के बाद भी एक लाइफलाइन मिली है, जो उसकी परेशानियां कम कर सकेगी। दरसअल कुछ दिन पहले रूस ने चीन के साथ समझौता किया था। इसके तहत रूस अगले 30 साल तक चीन को गैस उपलब्ध कराएगा। इस समझौते के तहत रूस समर्थित ऑयल कॉरपोरेशन गैजप्रोम ने चीनी कंपनी सीएनपीसी को हर साल 10 अरब क्यूबिक मीटर गैस सप्लाई करने को राजी हुआ है। रूसी विशेषज्ञ का कहना है कि पुतिन और रूस के लिए यह डील काफी सहायक होगी। 117 अरब अमेरिकी डॉलर के रूसी तेल और गैस को चीन भेजने के लिए एक दीर्घकालिक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। अगर कोई आक्रमण होता है,तब यह समझौता मास्को को रूस से यूरोप तक नॉर्ड स्ट्रीम 2 गैस पाइपलाइन को रोकने के अमेरिकी खतरों से संभावित नतीजों को कम करने में मदद देता है। गैस पाइपलाइन को रोकने के अमेरिकी खतरों से संभावित नतीजों को कम करने में मदद देता है। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन और रूस के बीच हुए इन समझौतों के कारण 2050 तक रूस चीन का सबसे बड़ा सप्लायर बन सकता है।रूसी रोजनेफ्ट कंपनी के कुल तेल उत्पादन का 25 फीसदी हिस्सा अब चीन के पास जा सकता है।वैसे रूस पहले से ही चीन को गैस सप्लाई कर रहा है। यह सप्लाई सर्बिया पाइपलाइन के द्वारा 2019 में शुरू हुई थी।इसके साथ ही रूस लिक्विफाइड नेचुरल गैस को समुद्र के रास्ते चीन भेज रहा है।

रूस-यूक्रेन में युद्ध हुआ तो भारत में बढ़ेगी महंगाई, प्रभावित होगा आम आदमी

नई दिल्ली ।

रूस और यूक्रेन के बीच अगर युद्ध होता हैं या फिर तनाव लंबे समय तक खिंचता है, तो इसका सीधा असर भारत के आम आदमी पर भी पड़ सकता है। कुछ आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि तय है। विशेषज्ञों का मनना है कि प्राकृतिक गैस से लेकर गेहूं सहित विभिन्न अनाजों की कीमतों में इजाफा होगा। यूक्रेन-रूस संकट ने ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत को 96.7 डॉलर प्रति बैरल पर धकेल दिया है, जो सितंबर 2014 के बाद से सबसे अधिक है। आपको बता दें कि रूस कच्चे तेल के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है। मौजूदा संकट से आने वाले दिनों में कीमतों में 100 डॉलर प्रति बैरल से अधिक की बढ़ोतरी हो सकती है। कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि का वैश्विक जीडीपी पर प्रभाव पड़ेगा। विश्लेषकों के अनुसार तेल की कीमतों में 150 डॉलर प्रति बैरल की बढ़ोतरी से वैश्विक जीडीपी विकास दर घटकर सिर्फ 0.9 फीसदी रह जाएगी। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) बास्केट में कच्चे तेल से संबंधित उत्पादों की प्रत्यक्ष हिस्सेदारी 9 प्रतिशत से अधिक है। इसलिए, ब्रेंट क्रूड की कीमतों में वृद्धि, भारत की डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति में लगभग 0.9 प्रतिशत की वृद्धि करेगी। विशेषज्ञों के मुताबिक, अगर रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध होता है तो घरेलू प्राकृतिक गैस (सीएनजी, पीएनजी, बिजली) की कीमत दस गुना बढ़ सकती है। कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से एलपीजी और केरोसिन पर सब्सिडी बढ़ने की उम्मीद है। हाल के कुछ वर्षों में कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण पूरे भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में काफी इजाफा देखने को मिला है। भारत ने 2021 में ईंधन की कीमतों के मामले में रिकॉर्ड ऊंचाई देखी। यदि रूस-यूक्रेन संकट जारी रहता है, तो भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि देखने को मिल सकती है। आपको बता दें कि तेल भारत के कुल आयात का लगभग 25 प्रतिशत है। भारत अपनी जरूरत का 80 फीसदी से ज्यादा तेल आयात करता है। तेल की कीमतों में तेजी का असर चालू खाते के घाटे पर पड़ेगा। यदि काला सागर क्षेत्र से अनाज के प्रवाह में रुकावट आती है, तो विशेषज्ञों को डर है कि इसका कीमतों और ईंधन खाद्य मुद्रास्फीति पर बड़ा प्रभाव पड़ सकता है। रूस दुनिया का शीर्ष गेहूं निर्यातक है, जबकि यूक्रेन गेहूं का चौथा सबसे बड़ा निर्यातक है। दोनों देशों देश मिलकर कुल वैश्विक निर्यात का लगभग एक चौथाई निर्यात करते हैं। दोनों देशों देश मिलकर कुल वैश्विक निर्यात का लगभग एक चौथाई निर्यात करते हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, आपूर्ति श्रृंखलाओं पर महामारी के प्रभाव के कारण बड़े पैमाने पर खाद्य कीमतें एक दशक से भी अधिक समय में अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। आने वाले दिनों में ऊर्जा और खाद्य कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा जा सकता है। वाले दिनों में ऊर्जा और खाद्य कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा जा सकता है। रूस पर प्रतिबंधों की आशंकाओं के बीच, पैलेडियम, ऑटोमोटिव एग्जॉस्ट सिस्टम और मोबाइल फोन में इस्तेमाल होने वाली धातु की कीमत हाल के हफ्तों में बढ़ गई है।

युवराज सिंह, अभिनेत्री मुनमुन और युविका के खिलाफ हरियाणा पुलिस जल्द चालान पेश कर सकती

मुंबई ।

अनुसूचित जाति समुदाय के लिए अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में फंसे क्रिकेटर युवराज सिंह, तारक मेहता का उल्टा चश्मा की अभिनेत्री मुनमुन उर्फ बबीता जी व ओम शांति ओम फिल्म से सुर्खियों में आई अभिनेत्री युविका चौधरी के खिलाफ हरियाणा पुलिस जल्द चालान पेश कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक, हिसार की हांसी पुलिस ने इन तीनों सेलिब्रिटीज के खिलाफ जांच लगभग पूरी कर जल्द ही यह कानूनी प्रकिया पूरी की जा सकती है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, जांच अधिकारी की तरफ से एससी/एसटी एक्ट के मामले में तीनों आरोपी सेलिब्रिटीज के खिलाफ इस सप्ताह हिसार की अनुसूचित जाति व जनजाति अत्याचार अधिनियम के तहत स्थापित विशेष अदालत में अंतिम रिपोर्ट चालान पेश किया जा सकता है। कानून जिस दिन हांसी पुलिस इनके खिलाफ हिसार की विशेष अदालत के जज के सामने चालान या फाइनल रिपोर्ट पेश करेगी, तब इन सेलेब्रिटीज को भी अदालत में पेश होकर रेगुलर बेल हासिल करनी पड़ेगी। इसके बाद इन तीनों के खिलाफ हिसार की विशेष अदालत में अलग-अलग ट्रायल शुरू हो जाएगें।

बता दें कि पूर्व क्रिकेटर युवी ने अपने खिलाफ दर्ज मुकदमे को खारिज कराने के लिए पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट की तथा मुनमुन दत्ता ने सुप्रीम कोर्ट की शरण ली थी, लेकिन हाईकोर्ट ने युवराज सिंह को एससी/एसटी एक्ट के तहत दर्ज एफआईआर में राहत देने से इनकार कर दिया था। इसी तरह मुनमुन दत्ता को भी सुप्रीम कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली थी।एफआईआर खारिज करने की उनकी याचिका भी सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी थी।

माता-पिता ने मतदान किया तो छात्र को मिलेंगे 10 अंक, लखनऊ के कॉलेज ने शुरू की अनोखी पहल

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश में 23 फरवरी को चौथे चरण का मतदान किया गया। चुनाव के बीच लखनऊ में एक एंग्लो-इंडियन स्कूल क्राइस्ट चर्च कॉलेज ने छात्रों को एक्सट्रा मार्क्स देने के लिए नई पहल की है। हालांकि, एक्स्ट्रा मार्क्स इस बात पर निर्भर करेंगे कि क्या छात्र अपने माता-पिता को स्कूल ला सकते हैं और उनसे वोट डलवा सकते हैं? प्रधानाचार्य ने बताया कि जिन छात्रों के माता-पिता यूपी चुनाव में वोट डालकर भाग लेंगे, उन्हें 10 अतिरिक्त अंक दिए जाएंगे। क्राइस्ट चर्च कॉलेज, लखनऊ के प्राचार्य राकेश कुमार ने कहा हम उन छात्रों को 10 अंक देंगे, जिनके माता-पिता 23 फरवरी को और आगे वोट डालकर मतदान में सक्रिय रूप से भाग लेंगे। इसके माध्यम से हमारा लक्ष्य मतदाताओं का मतदान शत-प्रतिशत तक लाना है। यह कमजोर छात्रों को परीक्षा पास करने में भी मदद करेगा। यह योजना उच्च मतगणना सुनिश्चित करने और मतदान के दिन 100 फीसदी मतदान प्राप्त करने की दिशा में काम करने के लिए शुरू की गई है। प्रिंसिपल ने यह भी कहा कि इस तरह की योजना कमजोर छात्रों को उनकी कक्षाओं में आगे बढ़ने में मदद करेगी। मतदान के दिन कई स्कूलों को मतदान केंद्र के रूप में उपयोग किया जाता है। क्राइस्ट चर्च कॉलेज लखनऊ ऐसा ही एक केंद्र है।

सुरक्षा के प्रबंधों को कारगर बनाने के लिए उच्च तकनीक का उपयोग

शिमला । हिमाचल प्रदेश पुलिस विभाग ने विधानसभा सचिवालय में बजट सत्र के दृष्टिगत विधानसभा अध्यक्ष विपिन सिंह परमार को उनके कार्यालय कक्ष में सुरक्षा से संबंधित किए जा रहे प्रबंधों बारे एक वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से जानकारी दी। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश पुलिस प्रमुख (डीजीपी) संजय कुंडू, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक(सीआईडी) वेणुगोपाल, पुलिस महा निरीक्षक दक्षिण रेंज हिमांशु मिश्रा, पुलिस महानिरीक्षक सतर्कता(सीआईडी) दलजीत सिंह ठाकुर, पुलिस अधीक्षक बद्दी मोहित चावला तथा पुलिस अधीक्षक शिमला जिला शिमला, श्रीमती मोनिका भटूंगरु मौजूद थे। सुरक्षा प्रबंधों के बारे परमार को अवगत कराते हुए संजय कुंडू ने कहा कि पुलिस विभाग सुरक्षा प्रबंधों को पुख्ता बनाने के लिए उच्च तकनीक का इस्तेमाल करने जा रही है। उन्होंने इस अवसर पर सिलसिलेवार किए जा रहे प्रबंधों की विधान सभा अध्यक्ष को जानकारी दी। संजय कुंडू ने परमार को बताया कि सुरक्षा के प्रबंधों को कारगर बनाने के लिए सीसीटीवी तथा ड्रोन कैमरा का इस्तेमाल किया जाएगा तथा इसके लिए एक विशेष कंट्रोल रूम की स्थापना की जाएगी ताकि से इसके द्वारा मॉनिटर कर ठीक से निगरानी की जा सके।

45 साल चली कानूनी लड़ाई, सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम महिला व उसकी बेटी को संपत्ति से बेदखल किया

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट ने एक मुस्लिम विधवा और उसकी बेटी को पैतृक संपत्ति से बेदखल कर दिया है। यह केस आम नहीं है, क्योंकि यह कानूनी लड़ाई 45 साल से चल रही थी। मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत यह फैसला किया गया, जिसमें उत्तराधिकार केवल उन वंशजों को दिया गया है, जो अपने बुजुर्ग की मौत के समय रहे हों। इस तरह से 45 साल पुराना मामला खत्म हो गया। यह मामला 1977 में ट्रायल कोर्ट में पहुंचा था। यह केस मोहिउद्दीन पाशा की संपत्तियों के बंटवारे को लेकर था। जस्टिस एल एन राव और बी आर गवई की बेंच ने मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत स्वीकृत बंटवारे की योजना पर मुहर लगा दी। इसके तहत पाशा के बड़े बेटे रहमान बरीद की विधवा और बेटी को कोई हिस्सा नहीं दिया क्योंकि रहमान की मौत पाशा से पहले हो गई थी। हिंदू लॉ के विपरीत, अगर बिना वसीयत किए किसी मुस्लिम व्यक्ति की मौत हो जाती है, तो उस समय रहने वाले उत्तराधिकारियों को ही संपत्ति में हिस्सेदारी मिलती है। मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत, जन्म के अधिकार को मान्यता नहीं दी गई है। उत्तराधिकार का अधिकार बुजुर्ग या पूर्वज की मौत के समय अस्तित्व में आता है और अगर पूर्वज जीवित हैं तो संपत्ति में किसी तरह के हक के लिए उत्तराधिकारी का हक नहीं बनता है। यह उन कई उदाहरणों से एक है, जो समान नागरिक संहिता के मामले को मजबूत करेगा जिससे बिना किसी लैंगिक भेदभाव के वंशजों में पैतृक संपत्ति का समान बंटवारा हो सके। मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत, पैतृक संपत्ति में बेटी, बेटे की तुलना में आधे की हकदार है। पाशा ने नूरबी से शादी की थी और उनके दो बेटे रहमान और असगर हुए। नूरबी की मौत 1944 में हो गई। इसके बाद पाशा ने मजांबी से शादी की और उनसे दो बेटे और तीन बेटियां हुईं। पहली पत्नी से हुए बेटे रहमान ने रहमथुनिसा से शादी की और उन्हें एक बेटी नूरजहां हुई। रहमान 1945 में गुजर गए जबकि उनके पिता पाशी की मौत 1964 में हुई। रहमान की विधवा और मजांबी और उनके बच्चों ने पाशा की संपत्ति में हक मांगा।

दवाओं की बिक्री बढ़ाने के लिए चिकित्सकों को उपहार देना कानूनन निषिद्ध : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दवा कंपनियों द्वारा दवाओं की बिक्री को बढ़ावा देने के लिए चिकित्सकों को उपहार देना कानूनन निषिद्ध है। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने चिकित्सकों को प्रोत्साहन देने के नाम पर खर्च की गई धनराशि पर आयकर अधिनियम के तहत टैक्स कटौती संबंधी कंपनी की याचिका को खारिज कर दिया। शीर्ष कोर्ट ने दवा कंपनियों द्वारा चिकित्सकों को दिए जाने वाले उपहारों के एवज में उनके नुस्खे में हेरफेर को 'बड़े सार्वजनिक महत्व और चिंता का विषय' करार दिया। न्यायमूर्ति यू यू ललित और न्यायमूर्ति एस रवीन्द्र भट की पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ मेसर्स एपेक्स लेबोरेट्रीज प्राइवेट लिमिटेड की अपील खारिज कर दी। इतना ही नहीं इसने एक चतुराई से भरे कानूनी मामले का भी निपटारा किया, जहां चिकित्सकों को दिए गए उपहार के मद में कर में कटौती में छूट की मांग की गई थी। इन उपहारों में सोने के सिक्के, फ्रिज और एलसीडी टीवी जैसे उपहारों से लेकर छुट्टियों या चिकित्सा सम्मेलनों में भाग लेने के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्राओं के वित्तपोषण तक शामिल हैं। कंपनी ने दलील दी थी कि यद्यपि चिकित्साकर्मियों को इस तरह के उपहार स्वीकार करना कानून के दायरे में प्रतिबंधित है, लेकिन इसे किसी भी कानून के तहत अपराध नहीं ठहराया गया है, इसलिए कंपनियां इन उपहारों पर खर्च की गई रकम के मद में कर लाभ हासिल करने की हकदार हैं। पीठ की ओर से न्यायमूर्ति भट द्वारा लिखित फैसलों में संबंधित कानून एवं नियमों की व्याख्या की गई है। न्यायालय ने कहा कि दवा कंपनियों द्वारा चिकित्सकों को उपहार देना कानून के दायरे में प्रतिबंधित है।

ऑपरेशन बुलबुल में एक नक्सल कमांडर ढेर, ईनामी समेत नौ गिरफ्तार

रांची ।

झारखंड के लोहरदगा एवं लातेहार जिलों में 12 दिनों तक माओवादियों के खिलाफ चलाये गये ऑपरेशन बुलबुल के दौरान सुरक्षा बलों ने कम से कम दस मुठभेड़ों में जहां दस लाख रुपये के ईनामी नक्सली जोनल कमांडर बलराम उरांव समेत नौ नक्सलियों को गिरफ्तार किया। वहीं एक शीर्ष नक्सली को मार गिराया है। साथ ही बड़ी मात्रा में हथियार और गोलाबारूद भी बरामद किया है। यहां झारखंड पुलिस के प्रवक्ता एवं महानिरीक्षक एवी होमकर ने बताया कि आठ फरवरी को लोहरदगा एवं लातेहार के बुलबुल जंगलों में शुरू हुए इस अभियान में सुरक्षा बलों को भारी सफलता मिली और उन्होंने पूरे इलाके में न सिर्फ नक्सलियों की कमर तोड़ दी बल्कि लगभग पूरे इलाके से उन्हें खदेड़ दिया उन्होंने बताया कि 21 फरवरी को संपन्न हुए इस नक्सल विरोधी अभियान में सुरक्षा बलों के साथ कार्रवाई में शामिल केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की कोबरा बटालियन के तीन जवान आइईडी विस्फोट में घायल हुए। उन्होंने बताया कि इस दौरान सुरक्षा बलों ने एक शीर्ष माओवादी को मार गिराया जिसकी पहचान की जा रही है। होमकर ने बताया कि सुरक्षा बलों ने नौ संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा जिनकी पहचान कराने पर पता चला कि उनमें माओवादियों का जोनल कमांडर दस लाख रुपये का ईनामी बलराम उरांव, सबजोनल कमांडर दशरथ सिंह खेरवार, एरिया कमांडर मारकुश नगेसिया, शैलेश्वर उरांव, मुकेश कोरवा, विरेन कोरवा, शैलेन्द्र नगेसिया, संजय नगेसिया और शीला खेरवार शामिल हैं।

पीएमजेजेबीवाई पॉलिसीधारक को एलआईसी आईपीओ में कोई छूट नहीं मिलेगी

नई दिल्ली ।

मोदी सरकार की (प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना) के पॉलिसीधारकों को एलआईसी के आईपीओ में कोई छूट नहीं मिलेगी। अगले महीने आईपीओ की तैयारियों में जुटी एलआईसी ने साफ कर दिया हैं, कि पीएमजेजेबीवाई एक ग्रुप इंश्योरेंस प्रोडक्ट है, इसके पॉलिसीधारक छूट के हकदार नहीं हैं। इसके पहले एलआईसी के चेयरमैन एम आर कुमार ने दो दिन पहले कहा था कि पीएमजेजेबीवाई के पॉलिसीधारक भी आईपीओ में छूट के हकदार हैं। चेयरमैन के बयान के बाद एलआईसी ने बयान जारी कर स्पष्ट कर दिया है, कि पीएमजेजेबीआई पॉलिसीधारकों को मार्च में आने वाले आईपीओ में कोई लाभ नहीं मिलेगा। साथ ही कहा कि कंपनी के चेयरमैन ने अनजाने में ऐसा कहा था। आईपीओ की सुविधा के लिए एलआईसी की शेयर पूंजी को पिछले साल सितंबर के दौरान 100 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 6325 करोड़ रुपये किया गया था। 13 फरवरी को बाजार नियामक सेबी के साथ दायर डीआरएचपी में कहा कि यह प्रस्ताव सरकार द्वारा अनुमानित 63,000 करोड़ रुपये में 5 फीसदी हिस्सेदारी की बिक्री के लिए है। आईपीओ के लिए पिछले सप्ताह दाखिल ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रोस्पेक्टस के अनुसार, एलआईसी के पात्र बीमाधारकों को आईपीओ में आरक्षण मिलेगा। इसके तहत प्रति व्यक्ति अधिकतम बोली राशि दो लाख रुपये से अधिक नहीं होगी। जिन लोगों के पास बोली खुलने की तारीख तक एलआईसी की एक या अधिक पॉलिसी हैं, और जो भारत के निवासी हैं, वे पॉलिसीधारक आरक्षण के तहत आवेदन कर सकते हैं। इस तरह दिया जाने वाला आरक्षण आईपीओ के आकार के 10 फीसदी से अधिक नहीं होगा।

अभी तक एलआईसी के 60-70 लाख पॉलिसीधारकों ने अपना पैन कार्ड उसकी वेबसाइट पर अपडेट करा लिया है। पिछले दो महीने से पॉलिसीधारक तेजी से अपना पैन कार्ड पॉलिसी के साथ अपडेट करा रहे हैं। दरअसल, जिनके पैन कार्ड पॉलिसी में अपडेट नहीं हैं, वे पॉलिसीधारकों के लिए रिजर्व हिस्से के तहत शेयर्स के लिए आवेदन नहीं कर सकते हैं। इस कारण है कि ग्राहक तेजी से अपडेट करा रहे हैं। यूक्रेन संकट के बाद शेयर बाजार में दबाव के बीच एलआईसी आईपीओ के आगे टलने के अनुमानों को वित्तमंत्री ने खारिज करते हुए कहा है कि बाजार में आईपीओ चर्चा में है। निवेशक इस लेकर काफी रुचि भी दिखा रहें हैं। इसकारण सरकार इस इश्यू को लेकर आगे बढ़ रही है। एलआईसी का आईपीओ देश का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ होने जा रहा है।

करवट बदलेगा मौसम, अगले पांच दिनों में कई इलाकों में होगी वर्षा, पहाड़ी इलाकों में हिमपात

नई दिल्ली । अगले 5 दिनों में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत उत्तर और पूर्वी भारत के कई इलाकों का मौसम करवट बदलने वाला है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के चलते उत्तर-पश्चिम भारत, पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में बारिश होने की संभावना है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अपने पूर्वानुमान में कहा कि दिल्ली में बुधवार को हल्के के बादल छाए रहेंगे। 25 और 26 फरवरी को हल्की बारिश हो सकती है। आईएमडी के अनुसार अगले दो दिनों के दरम्यान पर्वतीय राज्यों में हल्की बारिश और बर्फबारी हो सकती है। इस दौरान कुछ जगह गरज और बिजली गिरने का भी अनुमान है। वहीं, दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तरी पंजाब व हरियाणा में हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। राजधानी में बुधवार को आंशिक तौर पर बादल छाएंगे। अधिकतम तापमान 27 और न्यूनतम तापमान 12 डिग्री रह सकता है। मौसम विभाग के अनुसार 25 फरवरी की शाम को मौसम बदल सकता है और बूंदाबांदी हो सकती है और बादल छाएंगे। वहीं 26 फरवरी को येलो अलर्ट जारी किया गया है। बारिश की संभावना है। इसके बाद मौसम साफ हो जाएगा और 28 फरवरी को तापमान एक बार फिर 28 डिग्री पर पहुंच सकता है। नोएडा में 23 और 24 फरवरी को बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग के बुलेटिन में बताया गया है कि गुड़गांव में शुक्रवार को मौसम खुलेगा, लेकिन शनिवार को बारिश के आसार हैं। तब तक तेज हवा चलती रहेंगी। शनिवार के बाद मौसम में तेजी से बढ़ोतरी होगी और उसके बाद अधिकतम तापमान 30 डिग्री तक पहुंच सकता है। राज्यों के मौसम पर एक नजर डाले तो अगले दो दिन के दौरान, जम्मू व कश्मीर, गिलगित, बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में मध्यम बारिश/बर्फबारी हो सकती है।

संक्षिप्त समाचार

24 घंटे में कोरोना के 15,102 नए मामले, 278 लोगों की हुई मौत

नई दिल्ली । भारत में गत एक दिन में कोरोना के 15,102 नए मामले सामने आने के बाद देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,28,67,031 हो चुकी हैं। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 1,64,522 रह गई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, देश में 278 और लोगों की संक्रमण से मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 5,12,622 हो गई। देश में अभी 1,64,522 लोगों का कोरोना संक्रमण का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 0.38 प्रतिशत है। मंत्रालय के मुताबिक यह लगातार 17वां दिन है, जब रोजाना आने वाले नए मामलों की संख्या एक लाख से कम है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 16,553 की कमी दर्ज की गई। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर बढ़कर 98.42 प्रतिशत हो गई है। उल्लेखनीय है कि देश में सात अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ के पार हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ के पार और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल 26 जनवरी को मामले चार करोड़ के पार पहुंच गए।

बजरंग दल कार्यकर्ता के मर्डर केस में 20 से 22 वर्ष के 8 युवा गिरफ्तार

शिवमोगा । कर्नाटक के शिवमोगा जिले में बजरंग दल के एक कार्यकर्ता हर्षा की हत्या मामले में पुलिस ने 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शिवमोगा के एसपी लक्ष्मी प्रसाद ने बताया कि पुलिस ने बजरंग दल के कार्यकर्ता की हत्या के मामले में 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्होने बताया कि आरोपियों की पहचान आसिफ, सैयद नदीम, रेहान शरीफ, निहान, अब्दुल अफनान और काशिफ के रूप में की गई है। एसपी प्रसाद ने कहा इस मामले में 12 लोगों से पूछताछ की गई। उन्होंने बताया कि इस हत्या में शामिल जिन 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, उनकी उम्र 20 से 22 की है। बता दें कि 20 फरवरी को हर्षा की हत्या कर दी गई थी। हर्षा की हत्या के बाद उनके पिता ने आरोप लगाया था कि कुछ बदमाशों ने उनकी हत्या सिर्फ इसलिए की थी, क्योंकि वह बजरंग दल के कार्यकर्ता थे। हर्षा की मौत के बाद शिवमोगा सहित पूरे कर्नाटक में विरोध प्रदर्शन हुए। कुछ जगहों पर प्रदर्शनकारियों ने पथराव, हथियारों का इस्तेमाल किया और यहां तक कि वाहनों में आग लगा दी थी। स्थिति को कंट्रोल में करने के लिए पुलिस को आंसू गैस का सहारा लेना पड़ा था। घटना के बाद जिला प्रशासन ने स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी का ऐलान कर दिया। इसके अलावा यहां धारा 144 लागू भी कर दी गई है।अधिकारी ने कहा हत्या के बाद से शहर में हिंसा और आगजनी की 14 अलग-अलग वारदात हुई जिस पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। अधिकारी ने कहा हत्या के बाद से शहर में हिंसा और आगजनी की 14 अलग-अलग वारदात हुई जिस पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। इस घटनाक्रम के बाद पुलिस अधिकारी ने कहा था कि तीन मामलों में प्राथमिकी दर्ज की गई है और पुलिस उनकी तलाश कर रही है, जिन्होंने आगजनी और हिंसा में अपने वाहन और संपत्ति गंवाई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद भी शिवमोगा में कर्फ्यू को बढ़ा दिया गया है। अब यहां केवल सुबह 6 बजे से 9 बजे तक ही आवाजाही रहेगी।

जम्मू पुलिस ने नाकाम की आतंकी साजिश, ओवरग्राउन्ड वर्कर को ग्रेनेड समेत दबोचा

जम्मू । जम्मू पुलिस ने शहर में आतंकी हमले की घटना को नाकाम बनाते हुए मंगलवार रात आतंकी संगठन टीआरएफ के एक ओवरग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) को ग्रेनेड के साथ गिरफतार कर लिया। ओजीडब्ल्यू को शहर के नरवाल इलाके से पकड़ा गया है। ग्रेनेड लेकर वह कहां जा रहा था, पुलिस उससे इस बारे में पूछताछ कर रही है। ओजीडब्लू से पूछताछ के आधार पर पुलिस अब उसके साथियों की तलाश में जुट गई है। ओवरग्राउंड वर्कर शाकिर अहमद नाइकू पुत्र मोहम्मद शफी नाइकू कश्मीर के शोपिया के शाहपोरा, जैनपुरा का रहने वाला है। जानकारी के अनुसार, देर रात पुलिस ने नरवाल चौक पर नाका लगाया था। इस दौरान वहां से पैदल गुजर रहे एक व्यक्ति की गतिविधियां पुलिस को संदिग्ध लगीं। उक्त व्यक्ति को पुलिसकर्मी ने रुकने का इशारा किया तो वह वापस भागने लगा। नाके पर तैनात पुलिसकर्मियों ने उसका पीछा किया और उसे दबोच लिया। जब उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास से एक ग्रेनेड बरामद हुआ। शाकिर अहमद को सीधे नरवाल पुलिस चौकी में ले जाया गया और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया। जब उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास से एक ग्रेनेड बरामद हुआ। शाकिर अहमद को सीधे नरवाल पुलिस चौकी में ले जाया गया और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया। जम्मू कश्मीर पुलिस के स्पेशल आपरेशन ग्रुप (एसओजी) के जवान भी नरवाल पुलिस चौकी में पहुंच गए और शाकिर को पूछताछ के लिए अपने साथ ले गए। शाकिर के पूछताछ के बाद देर रात तक विभिन्न इलाकों में पुलिस की छापेमारी जारी रही। इस दौरान पुलिस द्वारा कुछ लोगों को पकड़े जाने की भी सूचना है। हालांकि वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है।

बजरंग दल के हर्षा की हत्या आतंक का केरल मॉडलः तेजस्वी सूर्या

शिवमोगा। भाजपा के नेता एवं सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा कि बजरंग दल के कार्यकर्ता हर्षा की हत्या आतंक का केरल मॉडल है। सूर्या ने मांग की कि इस हत्या को किसी एक व्यक्ति के मामले की तरह नहीं लिया जाना चाहिए, बल्कि इसे आतंक का कृत्य समझा जाना चाहिए। सूर्या ने हर्षा के माता-पिता से मुलाकात करने के बाद यहां संवाददाताओं से कहा कि हर्षा बजरंग दल के एक समर्पित कार्यकर्ता थे, जो हिंदुत्व के लिए जिए एवं मरे। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में बढ़ते इस्लामी कट्टरवाद ने हर्षा का जीवन ले लिया। सूर्या ने कहा, ''यह पहली बार नहीं है, जब हम कर्नाटक में इस तरह की हत्याएं देख रहे हैं। यह आतंकवाद का केरल मॉडल है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जियाव-बुडिया तालाब में डूबे दो किशोरों के शव मिले

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत, शहर के भिंडी बाजार क्षेत्र के सिद्दीकनगर में रहनेवाले दो किशोर मंगलवार को जियाव-बुडिया स्थित तालाब में नहाने गए थे। जहां पानी में डूबकर दोनों की मौत हो गई। फायर विभाग की टीम में कई घंटों की मशक्कत के बाद तालाब से दोनों किशोरों के बाहर निकाले। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की कार्यवाही शुरू की है। जानकारी के मुताबिक सूरत के भेस्तान में भिंडी बाजार क्षेत्र के सिद्दीकनगर में रहनेवाले 13 वर्षीय आदिब अमजदखान पठान और 14 वर्षीय अजमेर नसीम अंजारी स्कूल से छूटने के बाद जियाव-बुटिया स्थित तालाब में नहाने गए थे। जहां दोनों किशोर गहरे पानी में डूबने लगे। खबर मिलते ही फायर विभाग की टीम तालाब पर पहुंच गई और दोनों किशोरों की तलाश शुरू कर दी। कई घंटों की मशक्कत के बाद भेस्तान फायर विभाग टीम ने आज दोनों किशोरों के शव तालाब से बाहर निकाल पुलिस को सौंप दिए। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरूकी है।

सूरत के दाभोली इलाके में एम स्क्वायर बिल्डिंग में भीषण आग

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के दाभोली इलाके में एम स्क्वायर बिल्डिंग में भीषण आग लग गई। दूसरी मंजिल पर लगी आग में तीसरी मंजिल पर 20 बच्चे फंस गए। इसलिए उन्हें फौरन बाहर निकालने के लिए फायर बिग्रेड की मदद ली गई। तीसरी मंजिल पर फंसे लोगों को दमकल की गाड़ियों ने बाहर निकाला। हालांकि आग से निकले धुएं से लोगों में दहशत का माहौल है।

500 करोड़ के भ्रष्टाचार का आरोप मुझे बदनाम करने की साजिश : पूर्व मुख्यमंत्री

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राजकोट,गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा कि भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर मुझे बदनाम करने की साजिश है। कांग्रेस का जहाज डूब रहा है और उसके नेता भाजपा जॉइन कर रहे हैं। इससे लोगों को ध्यान भटकाने के लिए कांग्रेस यह साजिश रच रही है। बता दें कि विधानसभा में विपक्ष के नेता सुखराम राठवा, उपनेता शैलेष परमार, कांग्रेस के दंडक सीजे चावडा समेत कांग्रेस नेताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था। राजकोट नगर विकास प्राधिकरण (रूडा) में शामिल किए गए आणंदपर, नवागाम और मालियासण के अलग अलग 20 सर्वे नंबर की 111 एकड़ जमीन में 500 करोड़ का भ्रष्टाचार विजय रूपाणी ने किया होने का आरोप लगाते

हुए मामले की जांच की मांग की थी। विजय रूपाणी ने आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि कांग्रेस जिस 500 करोड़ की बात कर रही है वह पूरी तरह निराधार है। जब जमीन ही करीब रु 75 करोड़ की है तो उसमें 500 करोड़ का भ्रष्टाचार कैसे संभव है? विजय रूपाणी ने ट्वीट कर कांग्रेस के आरोपों का जवाब दिया। रूपाणी ने ट्वीट में लिखा '500 करोड़ रुपए तो क्या पांच रुपए का भी भ्रष्टाचार नहीं हुआ। कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि जिसे पीलिया है, उसे सब पीला ही नजर आता है। विजय रूपाणी ने किसी भी प्रकार की जांच के लिए तैयारी दर्शाई। आगे लिखा कि सांच को भी आंच नहीं आती। कांग्रेस का जहाज डूब रहा है और उसके भाजपा में शामिल हो रहे हैं। इससे लोगों को ध्यान भटकाने के लिए कांग्रेस निराधार आरोप लगा रही है।'

मुख्यमंत्री ने दो नगर पालिकाओं को कुल 6.43 करोड़ के आवंटन को दी सैद्धांतिक मंजूरी

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के तहत नगरों एवं महानगरों में विशिष्ट पहचान के कार्यों के लिए ग्रांट देने का दृष्टिकोण अपनाया है। ऐसे विशिष्ट पहचान के कार्यों के अंतर्गत नगरों की खुशहाली और जनहित के कार्यों के मार्फत संबंधित नगर की विशिष्ट पहचान स्थापित करने के कार्य किए जाते हैं। गौरतलब है कि स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के तहत राज्य सरकार नगरों एवं महानगरों में विशिष्ट पहचान के विभिन्न विकास कार्य करने के लिए रकम आवंटित करती है।

भूपेंद्र पटेल ने ऐसे विशिष्ट पहचान के कार्यों के अंतर्गत स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के तहत शिंगोड़ा नदी पर रिवरफ्रंट के कार्य के लिए 3 करोड़ 25 लाख रुपए के कोडीनार नगर पालिका के प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी दी है। पटेल ने इन कार्यों के संबंध में प्रस्तुत की गई फिजिबिलिटी रिपोर्ट, गैप एनालिसिस स्टडी रिपोर्ट और जनरल रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए सैद्धांतिक मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री ने कोडीनार नगर पालिका के अलावा तळाजा नगर पालिका में भी स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत विशिष्ट पहचान के कार्यों के तहत आधुनिक टाउन हॉल के निर्माण के लिए 3 करोड़ 18 लाख रुपए के कार्यों के प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी दी है। इस तरह, कोडीनार और तळाजा सहित राज्य की और दो नगर पालिकाओं में कुल 6.43 करोड़ रुपए के कार्यों की स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत विशिष्ट पहचान के कार्यों के लिए मंजूरी दी गई है। वर्ष 2021-22 में अब तक राज्य की 8 नगर पालिकाओं को स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत विशिष्ट पहचान के कार्यों के लिए कुल 16.94 करोड़ रुपए के आवंटन की सैद्धांतिक मंजूरी दी गई है।